संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 188
पृष्ठ 8
रविवार
29 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट...

विचार- युद्ध के चलते दुनिया भर में 'ऊर्जा...

खेल- बांग्लादेश की अक्ल आई ठिकाने...

पहले की सरकारें मानती थीं, हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए : मोदी

नोएडा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पहले की सरकारें हवाई यात्रा की सुविधा को सिर्फ अमीरों के लिए मानती थीं जबकि मौजूदा सरकार ने इसे गरीबों के लिए भी सुलभ कर दिया है।

श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 साल में देश में एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास हुआ है जिससे युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार भी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारें मानती थीं कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिये, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उसे गरीबों के लिए भी सुलभ कर दिया है। उन्होंने केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार और उत्तर प्रदेश की सपा और बसपा की सरकारों पर नोएडा एयरपोर्ट के काम को जानबूझकर अटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे। आज 160 से ज्यादा हो गये हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में अब 17 हवाई अड्डे हैं। अब छोटे–छोटे शहरों में भी कनेक्टिविटी पहुंच रही है।

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का प्रयास है कि एयरपोर्ट भी बने और किराया भी बहुत अधिक न हो। इसलिए, श्उड़ानश (उड़े देश का आम नागरिक) योजना शुरू की गयी है। इस योजना के तहत अबतक 1.60 करोड़ लोग रियायती दरों पर टिकट लेकर हवाई सफर कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने हाल ही में उड़ान योजना के अगले चरण के लिए लगभग 29 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इसके तहतअगले आठ साल में छोटे–छोटे शहरों में 100 नये हवाई अड्डे और 200 से अधिक हेलीपैड बनाने की योजना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का विमानन क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है।

सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले

कांग्रेस–सपा ने यूपी के विकास को सालों तक रोका था

नोएडा (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क में हाल ही में की गई कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और इसे राज्य भर के नागरिकों और व्यवसायों के लिए एक स्वागत योग्य राहत बताया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, पिछले 11–12 वर्षों में आपने श्नए भारतश को श्विकसित भारतश के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने के लिए हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस यात्रा का एक अहम हिस्सा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग अब वैश्विक विमानन मानचित्र पर देश को एक नई दिशा प्रदान कर रहे हैं, जो आपके विजन को साकार कर रहा है.. कांग्रेस और समाजवादी

पार्टी जैसी पार्टियों ने अपनी अक्षमता के कारण देश और राज्य दोनों को विकास के अवरोध में डाल दिया। 2002 से 2017 तक उत्तर प्रदेश लगातार इस कलंक को झेलता रहा और इस तरह के ठहराव का शिकार रहा। हालांकि, पिछले 12 वर्षों में देश और पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने हमारी श्दोहरी इंजन सरकारश के नेतृत्व में जो तीव्र विकास देखा है, उसके कारण हम इन अवरोधों को तोड़ते हुए विश्व के सामने एक नई पहचान प्रस्तुत कर रहे हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों पर उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को ऐतिहासिक रूप से धीमा करने वाली बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया।

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर करने पर अदालत सख्त, सभी हाईकोर्ट को दिए कड़े निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए। न्यायमूर्ति संजय करोल और न कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 2018 के निपुण सक्सेना बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी माध्यम (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया) में पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद निचली अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसके पीछे अदालतों की उदासीनता और इस तरह के अपराधों से जुड़े सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार बताया गया। अदालत ने बताया कि 1983 में भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर धारा 228। जोड़ी गई थी, जिसका उद्देश्य दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान को सार्वजनिक होने से रोकना है। इससे पहले ऐसा कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध नहीं था, जिससे पीड़िताओं को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता था। पीठ ने अपने आदेश की प्रति सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भेजने का निर्देश दिया है, ताकि इस कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके। यह टिप्पणी उस दौरान आई, जब अदालत हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले की समीक्षा कर रही थी, जिसमें नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को बरी कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में छोटे–छोटे विरोधाभासों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

विधानसभा में अमरावती को स्थायी राजधानी बनाने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य विधानसभा में अमरावती को स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से अमरावती को आधिकारिक तौर पर राजधानी का कानूनी दर्जा देने की भी मांग की। यह प्रस्ताव एक विशेष विधानसभा सत्र के दौरान लाया गया, जिसमें विपक्षी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (ल्ब्ब्) के विधायक मौजूद नहीं रहे। दरअसल, अमरावती की कहानी आंध्र प्रदेश के 2014 के विभाजन से जुड़ी है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014के तहत राज्य दो हिस्सों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बंट गया था। उस समय तय किया गया था कि हैदराबाद 10 साल तक दोनों राज्यों की साझा राजधानी रहेगा और इस दौरान आंध्र प्रदेश को अपनी नई राजधानी विकसित करनी होगी। इसी पृष्ठभूमि में नायडू ने अमरावती को अपनी ड्रीम राजधानी परियोजना के रूप में आगे बढ़ाया। 2014 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने विशेषज्ञों की मदद से अमरावती को राजधानी के रूप में चुना और विकास की दिशा में कदम बढ़ाए। हालांकि, परियोजना को पर्यावरणीय और वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बावजूद इसके राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण से राहत मिलने के बाद इसके आगे बढ़ने की उम्मीद जगी थी।

मंत्रियों के अनौपचारिक समूह के साथ रक्षा मंत्री की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को पश्चिम एशिया संकट पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब केंद्र सरकार इस संघर्ष को लेकर कई बैठकें कर चुकी है और लोगों को यह भरोसा दिला रही है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। विदेश मंत्रालय हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है और पश्चिम एशिया में मौजूद भारतीय नागरिकों को हरसंभव मदद देने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले, शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक की थी। इस बैठक में पश्चिम एशिया की हालिया स्थिति और उसके देश पर संभावित प्रभाव को देखते हुए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों की ओर से दिए गए सुझावों की सराहना की और कहा कि ये सुझाव बदलते हालात से प्रभावी तरीके से निपटने में मददगार साबित होंगे।

ॐ

हमारे सबसे प्रिय की प्रेमपूर्ण स्मृति में

तरुण अग्रवाल

(3 मार्च, 1956 – 30 मार्च, 2025)

पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद,
पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय उत्तराखंड,
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय मेघालय
एवं
पूर्व पीठासीन अधिकारी, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण, मुंबई

रविवार, 29 मार्च, 2026 | हवन एवं भजनः सायं 4.30 बजे | प्रसादः सायं 5.30 बजे

कार्यस्थलः उनके निवास स्थान, 8/ए न्यायमार्ग, प्रयागराज–211001, उत्तर प्रदेश

सभी का स्वागत है

आभार सहित
स्मिता, तन्मय, अदिति एवं तलिन
(9839152595, 9873222811, 9643814575)

कभी पैर तुड़वा लेती हैं, कभी सिर पर पट्टी बंधवा लेती हैं

अमित शाह का ममता बनर्जी पर तीखा हमला

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता में बोलते हुए कहा कि एसआईआर (न्यायिक सुरक्षा निरीक्षण) का अभ्यास पूरे देश में किया गया, लेकिन पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी न्यायिक अधिकारियों को तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। बंगाल की जनता

को संबोधित करते हुए शाह ने पूछा, क्या यहां रखे गए घुसपैठियों को बंगाल का भविष्य तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए? उन्होंने कहा कि मैं भाजपा की ओर से यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम देश से हर एक घुसपैठिए की पहचान करके उसे निष्कासित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, न केवल मतदाता सूचियों से बल्कि पूरे देश से, और यही मेरी पार्टी का एजेंडा है। गृह मंत्री ने यह भी दावा किया कि टीएमसी की वोट बैंक की राजनीति के कारण सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा बंगाल के चुनावों से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई है और यह एकमात्र ऐसा राज्य है जहां से घुसपैठिए देश में प्रवेश कर रहे हैं और अशांति फैला रहे हैं। शाह ने बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हमेशा पीड़ित होने का नाटक करती हैं। उन्होंने कहा कि कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंधी होती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं, और फिर चुनाव आयोग के सामने असहायता का नाटक करते हुए संस्था को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल की जनता अब पीड़ित होने का नाटक करने की उनकी इस राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है।

चेन्नई में चुनावी अभियानों के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य : चुनाव आयोग

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई जिला चुनाव अधिकारी और ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के आयुक्त जे. कुमारगुरुबरन ने कहा है कि राजनीतिक दलों और व्यक्तियों को चुनाव प्रचार से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए श्सुविधाश पोर्टल के माध्यम से कम से कम 48 घंटे पहले अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है। इसमें होटलों जैसे निजी स्थानों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम भी शामिल हैं। श्री कुमारगुरुबरन ने स्पष्ट किया है कि निजी स्थानों पर राजनीतिक कार्यक्रमों पर कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन आयोजकों को सख्ती से सलाह दी गई है कि वे प्रलोभन, जैसे कि टोकन या सामग्री के वितरण के किसी भी संदेह से बचने के लिए मंजूरी प्राप्त करें। उन्होंने कहा, ष्राजनीति से जुड़े किसी भी कार्यक्रम को अधिमानतरू अनुमति प्राप्त करने के बाद ही आयोजित किया जाना चाहिए।ष उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्ण दस्तावेजों और आवश्यक अनापत्तियों के साथ आवेदन ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए। मंच या सार्वजनिक भागीदारी वाले बड़े आयोजनों के लिए सक्षम अधिकारियों से प्रमाणन के साथ–साथ पुलिस की मंजूरी की भी आवश्यकता होगी ताकि यातायात और जनता प्रभावित न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्सुविधाश पोर्टल के माध्यम से या उचित प्रक्रिया के बिना जमा किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोलकाता और बांद्रा के लिए मिली समर स्पेशल, जंक्शन के रास्ते होगा संचालन

प्रयागराज। रेलवे ने कोलकाता और बांद्रा टर्मिनल के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इनका संचालन प्रयागराज जंक्शन के रास्ते होगा। कानपुर से कोलकाता के लिए समर स्पेशल ट्रेन 04153 का संचालन दो अप्रैल से 25 जून तक प्रत्येक बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे होगा। रेलवे ने कोलकाता और बांद्रा टर्मिनल के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इनका संचालन प्रयागराज जंक्शन के रास्ते होगा। कानपुर से कोलकाता के लिए समर स्पेशल ट्रेन 04153 का संचालन दो अप्रैल से 25 जून तक प्रत्येक बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे होगा। फतेहपुर रुकते हुए ट्रेन 3रू55–4रू00 बजे

प्रयागराज पहुंच जाएगी। यहां से मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया, कोडरमा, पारसनाथ, गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, वर्धमान, बैंडेल, नैहाटी जंक्शन रुकते हुए अगली सुबह 7.50 बजे कोलकाता पहुंचेगी।

वापसी में कोलकाता से 04154 हर शुक्रवार तीन अप्रैल से 26 जून तक सुबह 10.45 बजे चलकर रात 2रू10–2रू15 बजे प्रयागराज एवं शनिवार सुबह 7.10 बजे कानपुर पहुंचेगी। 19 कोच की इस ट्रेन में स्लीपर के नौ, एसी थ्री के दो, सामान्य श्रेणी के पांच, एसी टू का एक एवं एसएलआर श्रेणी के दो कोच रहेंगे।

इसी तरह आजमगढ़ से बांद्रा के लिए 05183 का संचालन प्रत्येक शनिवार चार अप्रैल से 11 जुलाई तक रात 11रू15 बजे होगा। सुबह 5रू05–5रू10 बजे ट्रेन प्रयागराज जंक्शन एवं सोमवार सुबह 8रू10 बजे बांद्रा टर्मिनल पहुंच जाएगी। वापसी में बांद्रा से 05184 का संचालन प्रत्येक सोमवार छह अप्रैल से 13 जुलाई तक सुबह 10रू45 बजे चलकर अगले दिन दोपहर 1रू00–1रू05 बजे प्रयागराज जंक्शन एवं रात 8रू10 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी। इसका मुहम्मदाबाद, मऊ जंक्शन, औड़िहार, बनारस, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग, गोविंदपुरी, टूंडला, ईदगाह आगरा, बयाना, गंगापुर सिटी, कोटा, नागदा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरिवली में ठहराव दोनों ओर से रहेगा।

साइकिल की चेन चढ़ा रहे मजदूर को पिकअप ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार मजदूर की मौत हो गई। वह सड़क किनारे साइकिल की चेन चढ़ा रहा था, तभी तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उसे कुचल दिया। मांडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार मजदूर की मौत हो गई। वह सड़क किनारे साइकिल की चेन चढ़ा रहा था, तभी तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उसे कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल मजदूर को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बदौआ गांव निवासी सियाराम निषाद (47) पुत्र स्व. रामसिद्ध शुक्रवार को साइकिल से मझिगवां बाजार गृहस्थी का सामान खरीदने गए थे। शाम करीब साढ़े सात बजे वह सामान लेकर घर लौट रहे थे। शिवपुर हटवारा गांव के पास उनकी साइकिल की चेन उतर गई। वह सड़क किनारे चेन चढ़ा रहे थे, तभी तेज गति से आ रहे पिकअप (दूध वाहन) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गया।

हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। परिजन और स्थानीय लोग घायल सियाराम को पहले मिर्जापुर के बरौंधा स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया गया। इसके बाद रात करीब 11रू30 बजे लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी अंजली निषाद, बेटियां आकांक्षा और श्रद्धा का रो–रोकर बुरा हाल है। आठ माह के मासूम बेटे पनबीर के सिर से पिता का साया उठ गया। शनिवार सुबह मृतक की पत्नी अंजली की सूचना पर मांडा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

लोकसभा में सांसद उज्ज्वल ने उठाया छोटे व्यापारियों की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा

प्रयागराज। लोकसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान इलाहाबाद लोकसभा सीट के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने छोटे और मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

लोकसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान इलाहाबाद लोकसभा सीट के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने छोटे और मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम बनाए जाएं, ताकि पारंपरिक खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा के अनुसार, ऑनलाइन कारोबार और बढ़ते मॉल कल्चर ने स्थानीय व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। सदन को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि आज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण घर बैठे सामान उपलब्ध हो रहा है, जिससे छोटे दुकानदारों की बिक्री पर सीधा असर पड़ा है।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों की कमी के कारण छोटे व्यापारी बैंकों और थोक विक्रेताओं के कर्ज में दबते जा रहे हैं। कई दुकानें बंद होने की कगार पर हैं और कुछ व्यापारी मानसिक दबाव में आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

सांसद ने बड़े उद्योगपतियों के खुदरा व्यापार में बढ़ते दखल पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यदि बड़े उद्योग समूह सीधे रिटेल बाजार में उतरते हैं तो छोटे व्यापारियों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि निचली मंडियों में व्यापारियों को उधार मिलना लगभग बंद हो गया है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी का संकट और गहरा गया है।

सरकार से अपील करते हुए उज्ज्वल रमण सिंह ने मांग की कि ऑनलाइन व्यापार के लिए स्पष्ट और सख्त नियमावली बनाई जाए। बड़े उद्योगपतियों के खुदरा व्यापार में एकाधिकार पर अंकुश लगाया जाए, कर्ज संकट से जूझ रहे छोटे व्यापारियों के लिए विशेष राहत पैकेज पर विचार किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि छोटे और मध्यम वर्गीय व्यापारियों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

160 साल पुराने यमुना ब्रिज पर मरम्मत का कार्य शुरू, चार घंटे थमा रहा ट्रैफिक

प्रयागराज। शहर की पहचान और इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना कहे जाने वाले 160 साल पुराने ओल्ड यमुना ब्रिज (लोहे का पुल) के संरक्षण को लेकर रेलवे ने कवायद शुरू की है। शुक्रवार को रेलवे की टीम ने पुल के किनारे वाले हिस्से, जिसे शोर स्पैन कहा जाता है उसे बदलने का काम किया।

शहर की पहचान और इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना कहे जाने वाले 160 साल पुराने ओल्ड यमुना ब्रिज (लोहे का पुल) के संरक्षण को लेकर रेलवे ने कवायद शुरू की है। शुक्रवार को रेलवे की टीम ने पुल के किनारे वाले हिस्से, जिसे शोर स्पैन कहा जाता है उसे बदलने का काम किया। इस मरम्मत कार्य के चलते नैनी से शहर की ओर आने वाले मार्ग पर चार घंटे तक वाहनों के पहिये थमे रहे।

दरअसल, नैनी की तरफ पुल का पहला हिस्सा (शोर स्पैन) जो जमीन के ठीक ऊपर स्थित है, इसके नीचे खुला स्थान न होने के कारण यहां लगातार गंदगी जमा हो रही थी। इससे लोहे की संरचना में जंग लग रही थी और यह जर्जर होने लगी थी। हादसे की आशंका को देखते हुए रेलवे

ने इस हिस्से को बदलने का निर्णय लिया।

इसके लिए शुक्रवार दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक रेलवे ने ब्लॉक लेकर काम शुरू किया। इस दौरान नैनी से प्रयागराज शहर की ओर आने वाले सभी वाहनों को नए यमुना पुल की ओर डायवर्ट कर दिया गया। बाइक सवारों और छोटे वाहनों को लेप्रोसी मिशन और नैनी छोर से ही वापस मोड़ दिया गया।

ब्लॉक की जानकारी न होने के कारण बड़ी संख्या में राहगीर पुल के मुहाने तक पहुंच गए, जिन्हें पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने समझा–बुझाकर वापस भेजा। उत्तर मध्य रेलवे के सीनियर पीआरओ डॉ. अमित कुमार मालवीय का कहना है कि पुल के सड़क मार्ग वाले हिस्से में मरम्मत कार्य के लिए ब्लॉक लिया गया था। इस दौरान ट्रेनों का संचालन पूरी तरह सामान्य रहा।

29 मार्च तक चलेगा कार्य

रेलवे प्रशासन के अनुसार, मरम्मत का यह कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। 27 से 29 मार्च तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत शनिवार को भी दिन में ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान एक और स्पैन बदलने का काम होना है, लिहाजा नैनी से शहर आने वाले लोग जाम से बचने के लिए नए यमुना पुल का ही प्रयोग करें।

साक्ष्य के अभाव में छात्रों को सामूहिक नकल का दोषी ठहराना गलत, प्रतिबंध का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल संदेह या पूर्वधारणा के आधार पर किसी छात्र को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जब तक साक्ष्य से अपराध पूरी तरह सिद्ध न हो जाए, तब तक कठोर दंडात्मक कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल संदेह या पूर्वधारणा के आधार पर किसी छात्र को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जब तक साक्ष्य से अपराध पूरी तरह सिद्ध न हो जाए, तब तक कठोर दंडात्मक कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है। न्यायमूर्ति विवेक सरन ने शौर्य तिवारी और 10 अन्य छात्रों की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया है।

कोर्ट ने सीबीएसई बोर्ड प्रयागराज की ओर से छात्रों पर 14 अगस्त 2025 को लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध के आदेश को रद्द कर दिया है।

साथ ही बोर्ड को निर्देश दिया है कि 15 दिन के भीतर याचियों का वर्ष–2025 की हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाए। याची चाणक्य पब्लिक स्कूल मेजा के छात्र थे और उन्होंने एमएल पब्लिक स्कूल सिरसा में हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। मई 2025 में परिणाम घोषित किए जाने के दौरान इनका परिणाम रोक दिया गया था। बोर्ड का आरोप था कि सेंटर पर कॉपियां बदली गई थीं और उत्तरों में समानता थी। याचियों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता अंजली उपाध्याय ने दलील दी कि बोर्ड की जांच कमेटी ने छात्रों को बुलाकर सादे कागज पर हस्ताक्षर तो लिए, लेकिन उन्हें न तो कोई चार्जशीट दी और न ही सुनवाई का मौका दिया गया।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि बिना अपराध साबित किए किसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना अवैध है।

परीक्षा केंद्र में कॉपी जमा होने के बाद यदि कोई हेरफेर होता है तो इसके लिए सीधे तौर पर छात्र जिम्मेदार नहीं होंगे, जब तक कि उनके विरुद्ध कॉपी बदलने का प्रत्यक्ष प्रमाण न हो। किसी भी छात्र को सामूहिक नकल का दोषी ठहराने से पहले उन्हें उचित नोटिस देना, उनका जवाब लेना और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए विधिवत जांच करना अनिवार्य है।

टीईटी की फर्जी वेबसाइट को साइबर पुलिस ने कराया बंद, शिक्षा सेवा चयन आयोग ने दर्ज कराई थी एफआईआर

प्रयागराज। यूपी टीईटी–2026 के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। साइबर पुलिस ने फर्जी वेबसाइट को ब्लॉक करा दिया है।

हालांकि, इसमें किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। यूपी टीईटी–2026 के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। साइबर पुलिस ने फर्जी वेबसाइट को ब्लॉक करा दिया है। हालांकि, इसमें किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि फर्जी नचजमज2026.पद वेबसाइट चलाने के लिए लिथुआनिया देश की एक कंपनी से डोमेन खरीदा गया था।

जानकारी होते ही साइबर पुलिस ने कंपनी से ई–मेल के माध्यम से संपर्क कर वेबसाइट बंद करने की गुजारिश की। वहीं, अब उक्त फर्जी वेबसाइट को ब्लॉक करा दिया गया है। उक्त लिंक पर क्लिक करने पर एरर का संदेश आ रहा है। गौरतलब है कि शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव संजय कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि आयोग की ओर से 20 मार्च को यूपी टीईटी–2026 का आधिकारिक विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके अनुसार आवेदन प्रक्रिया 27 मार्च से शुरू होनी है। इसी बीच किसी अज्ञात ने यूपी टीईटी–2026 के नाम से एक फर्जी वेबसाइट तैयार कर दी। शिकायत पर कर्नलगंज थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

पायलट ट्रेनिंग के नाम पर छात्र से 14 लाख की ठगी

सिविल लाइंस के रहने वाले रोहित वर्मा ने बेटे रौनक वर्मा को पायलट का प्रशिक्षण दिलाने के नाम पर एक बड़ी कंपनी द्वारा ठगी किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जाटी ढिल्लो, राम कृष्णन अय्यर, रणदीप पनाग और समर सिंह माली के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरोजिनी नायडू मार्ग स्थित सरस्वती अपार्टमेंट में रहने वाले रोहित वर्मा के अनुसार उनके बेटे रौनक वर्मा ने छह अगस्त 2019 को पायलट प्रशिक्षण देने वाली संस्था गाटी में दाखिला लिया था। इसके लिए करीब 14 लाख रुपये फीस के रूप में जमा किए गए, जिसमें आठ लाख रुपये बैंक के माध्यम से और शेष नकद दिए गए थे।

संस्थान ने 185 घंटे की फ्लाइंग ट्रेनिंग और उसके बाद कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस दिलाने का आश्वासन दिया था। आरोप है कि तय एयरक्राफ्ट की जगह छात्रों को दूसरे विमान से प्रशिक्षण देते हुए फरवरी 2024 में अचानक प्रशिक्षण रोक दिया गया। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने संस्थान से ट्रेनिंग पूरी करने या फीस वापस करने की मांग की तो लगातार टालमटोल किया गया। संस्थान के डायरेक्टर और अन्य जिम्मेदार लोगों से संपर्क करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

आरोप है कि फोन करने पर अभद्र व्यवहार कर धमकी दी गई। रोहित वर्मा ने आरोप लगाया कि यह पूरी तरह से सुनियोजित धोखाधड़ी है, जिसमें छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।

बिना किसी नए और ठोस परिस्थितिगत बदलाव के दूसरी जमानत अर्जी पर विचार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पहली जमानत याचिका खारिज होने के बाद बिना किसी नए और ठोस परिस्थितिगत बदलाव के दूसरी जमानत अर्जी पर विचार नहीं किया जा सकता। केवल नए तर्क पेश करने से जमानत नहीं दी जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पहली जमानत याचिका खारिज होने के बाद बिना किसी नए और ठोस परिस्थितिगत बदलाव के दूसरी जमानत अर्जी पर विचार नहीं किया जा सकता।

अभ्यर्थी रुबल हुड्डा को पीसीएस मुख्य परीक्षा 2025 में शामिल होने की मिली अनुमति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर निवासी आरोपी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में लंबित दुष्कर्म के मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की पीठ ने मोहम्मद रफी उर्फ बबलू खान की याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को अभ्यर्थी रुबल हुड्डा को 29 मार्च से शुरू होने वाली पीसीएस मुख्य परीक्षा–2025 में शामिल करने की नुमति देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने दिया है। प्रयागराज निवासी याची ने ओटीआर फॉर्म में जन्मतिथि 20 फरवरी 2004 के स्थान पर गलती से 02 फरवरी 2004 भर दिया था, हालांकि, अभ्यर्थी ने प्रारंभिक परीक्षा से पहले ही 30 सितंबर 2025 को इस त्रुटि को सुधार लिया था। इसके बावजूद, मुख्य परीक्षा के फॉर्म में पुरानी गलत जन्मतिथि ही प्रदर्शित हो रही थी। इसके आधार पर आयोग ने 20 मार्च के अधिसूचना से याची की उम्मीदवारी को रद्द कर दिया था। इस फैसले को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि जब अभ्यर्थी ने प्रारंभिक परीक्षा से पहले ही त्रुटि सुधार ली थी, तो आयोग के पास उन्हें परीक्षा में बैठने से रोकने का कोई उचित आधार नहीं था। कोर्ट ने इसे अभ्यर्थी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला मानते हुए आयोग को तत्काल आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने और अभ्यर्थी को परीक्षा में शामिल करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अभ्यर्थी का अंतिम परिणाम इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होगा। मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 मई को होगी।

एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से हर आंख हुई नम, लाडलों का शव देख मां हुई बेसुध

प्रयागराज। बामपुर गंगा घाट हादसे में एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से हर किसी की आंख नम हो गई। अनिल और कमलेश सगे भाई हैं। इस दर्दनाक घटना में अनिल के दोनों बेटों की डूबने से मौत हो गई, जिससे उनका पूरा परिवार उजड़ गया।

बामपुर गंगा घाट हादसे में एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से हर किसी की आंख नम हो गई। अनिल और कमलेश सगे भाई हैं। इस दर्दनाक घटना में अनिल के दोनों बेटों की डूबने से मौत हो गई, जिससे उनका पूरा परिवार उजड़ गया। अनिल के बड़े बेटे हिमांशु राव उर्फ कुनाल नहवाई गांव स्थित निजी

स्कूल में कक्षा छह का छात्र था, जबकि छोटा बेटा रेयांश राव उर्फ निहाल उसी स्कूल में कक्षा दो में पढ़ता था। दोनों बेटों की मौत की खबर मिलते ही मां किरन रोते–बिलखते गंगा घाट पहुंचीं और शवों को देखते ही बेसुध हो गईं। पिता अनिल गहरे सदमे में खामोश खड़े रहे। अनिल के भाई कमलेश के परिवार पर भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनके तीन बच्चों में सबसे बड़े बेटे दिव्यांशु को मछुआरों ने बचा लिया, लेकिन छोटे बेटे ऋषभ राव की डूबने से मौत हो गई। ऋषभ गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच का छात्र था। उसकी मौत से मां यशोदा, बहन अनन्या और भाई दिव्यांशु का रो–रोकर हाल बेहाल है। दिव्यांशु बार–बार यही कहकर बिलख रहा था कि आंखों के सामने उसका छोटा भाई डूब गया और वह कुछ नहीं कर सका।

दीपक ने दी थी बारहवीं की परीक्षा

अनिल के चचेरे भाई राजाराम का इकलौता बेटा दीपक कुमार भी इस हादसे का शिकार हो गया। दीपक ने इसी वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है। इकलौते बेटे को भी खोने पर पिता राजाराम फूट–फूटकर रो पड़े। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से गांव में हर किसी की आंखें नम हैं। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि ऐसा मंजर शायद ही किसी ने पहले कभी देखा हो।

बामपुर घाट पर हुए हादसे के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना तीन बच्चों की जान बचाने वाले बादपुर गांव निवासी मछुआरे कलेंद्र निषाद और अजय निषाद को प्रशासन ने सम्मानित किया है। एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय ने दोनों को नकद पुरस्कार देकर उनके साहस की सराहना की और उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजकर औपचारिक सम्मान दिलाने की बात कही।

कलेंद्र निषाद ने बताया कि बच्चों की चीख–पुकार सुनाई दी तो वह अजय निषाद के साथ दौड़ते हुए नदी किनारे पहुंचे और बिना समय गंवाए घाट पर बंधी नाव खोलकर डूबते बच्चों की ओर बढ़ गए। बताया कि दो बच्चों के सिर पानी के ऊपर दिखाई दे रहे थे, जिन्हें तुरंत खींचकर नाव पर चढ़ा लिया गया।

एक अन्य बच्चा पूरी तरह पानी में समा चुका था, जिसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी और काफी प्रयास के बाद उसे बाहर निकाल लिया। हालांकि, तेज धारा और गहराई के कारण अन्य चार बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

पति को मध्यस्थता के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उपस्थित होने की अनुमति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विदेश में रह रहे पति को वैवाहिक विवाद के निपटारे के लिए मध्यस्थता प्रक्रिया में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उपस्थित होने की अनुमति दी है। इसके साथ ही मामले को निस्तारण के लिए मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र भेज दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विदेश में रह रहे पति को वैवाहिक विवाद के निपटारे के लिए मध्यस्थता प्रक्रिया में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उपस्थित होने की अनुमति दी है। इसके साथ ही मामले को निस्तारण के लिए मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र भेज दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने पूनम चंद और अन्य की अर्जी पर दिया है। गौतमबुद्ध नगर के रहने वाले याचियों ने अदालत में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि अंकुर चंद (पति) वर्तमान में भारत से बाहर रह रहे हैं। मामला पूरी तरह से वैवाहिक विवाद से जुड़ा है। इसलिए मध्यस्थता के जरिये इसके समाधान की संभावना तलाशी जानी चाहिए। अदालत ने परिस्थितियों पर विचार करते हुए आवेदकों को तीन सप्ताह के भीतर 50,000 रुपये जमा करने का निर्देश दिया है। इस राशि में से 25,000 रुपये पत्नी को मध्यस्थता केंद्र में उनकी पहली उपस्थिति पर और 20,000 रुपये दूसरी उपस्थिति पर दिए जाएंगे। शेष 5,000 रुपये मध्यस्थता केंद्र को देय होंगे। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक आवेदकों के खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

ढाई लाख की अंतिम कुश्ती रही बराबरी पर, पहलवानों के दांव-पेंच देख रोमांच से भरे दर्शक

चौमुहाँ (मथुरा)। ब्लॉक के गाँव अकबरपुर में माँ ब्रजेश्वरी देवी मंदिर मेले के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल कुश्ती दंगल ने क्षेत्र में भारी उत्साह का संचार किया। दंगल की सबसे रोमांचक अंतिम कुश्ती 2.51 लाख रुपये के इनाम के लिए लड़ी गई, जो काफी जद्दोजहद के बाद बराबरी पर छूटी।

घ्कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और उनके प्रतिनिधि नरदेव चौधरी उपस्थित रहे। दंगल स्थल पर पहुँचने पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भरत सिसोदिया व उनकी टीम ने अतिथियों का साफा बांधकर और पटुका पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

घ्दंगल में देशभर से आए नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंचों

से दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। सैकड़ों छोटी-बड़ी कुश्तियाँ आयोजित की गईं, लेकिन सबकी नजरें अंतिम मुकाबले पर टिकी थीं।

अंतिम मुकाबला विक्रम पहलवान (जानू) बनाम माखन पहलवान (पैगाम) के मध्य 2.51 लाख रूपये पर हुआ।

दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने का भरसक प्रयास किया, लेकिन समय सीमा समाप्त होने तक मुकाबला बराबरी पर रहा।

कमेटी ने दोनों पहलवानों की खेल भावना को देखते हुए उन्हें 41-41 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि कुश्ती और दंगल हमारी ग्रामीण विरासत का हिस्सा हैं। खेल युवाओं में अनुशासन और जुझारूपन पैदा करते हैं।

प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ब्रज की पावन धरा ने हमेशा महान पहलवान दिए हैं। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच मिलता है।

इस अवसर पर पातीराम सिसोदिया (पूर्व प्रमुख), निहाल सिंह, जितेंद्र गुप्ता, विष्णु हिंदुस्तानी, अजीत सिंह, गिर्राज सिंह, भरत डॉक्टर, गोवर्धन फौजी, भगत सिंह, विष्णु वकील, महेश सिसोदिया, वीरबहादुर सिंह और शिवजी सिसोदिया सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रज्जू भय्या विवि में उत्तर प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस का अधिवेशन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस के 34वें अधिवेशन का उद्घाटन समारोह बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। संस्कृत विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलगीत का प्रसारण किया गया। अधिवेशन संयोजक मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि नवीन विमर्श के साथ ऐतिहासिक ज्ञान का संवर्धन करना अधिवेशन का लक्ष्य है। संयोजन सचिव डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि नवाचार पूर्ण अन्तरूविषय दृष्टिकोण को विकसित करना केन्द्रीय उद्देश्य है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि इतिहास ज्ञान की प्रक्रिया और उसकी नवीन समझ को समय सापेक्ष विकसित करना चाहिए। अतीत पहचान एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना इतिहास अध्ययन का मूल चिन्तन है। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के इतिहासविद् महासचिव प्रो. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि इतिहास चिन्तन के द्वारा तर्क की कसौटी पर निष्पक्ष तथ्यों को प्रकाशित किया जाना चाहिए। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के इतिहासकार प्रो. ए के सिनहा ने कहा कि इतिहास विमर्श की दीर्घ परम्परा का निर्वहन करना हमारी ऐतिहासिक विशेषता है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. एस. एन. आर. रिजवी ने कहा कि हिन्दी भाषी शोधार्थियों, चिन्तकों को मंच प्रदान करना अधिवेशन का लक्ष्य है। शकुन्तला मिश्रा विकलांग विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. अवनीश चन्द्र मिश्र ने कहा कि सत्य की खोज, एकीकृत अनुसंधान, मूल्यों की समझ ऐतिहासिक शोध को सार्थक बनाता है। साक्ष्य की आवाज को इतिहासकार सुनता है। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि ज्ञान विनिमय और नवाचार की गतिशीलता इतिहास चिन्तन के आयाम हैं। प्रो. सलिल मिश्र ने राधेश्याम मेमोरियल लेक्चर दिया। देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से पधारे लगभग पचास इतिहास चिन्तकों इतिहास के विविध पक्षों पर व्याख्यान दिया। प्रो. प्रदीप कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. आशुतोष पाण्डेय ने किया।

सांध्यकालीन सांस्कृतिक कवि सम्मेलन में प्रतापगढ़ से पधारे कवि कपिल देव तिवारी, जौनपुर के डॉ. इन्दु जमदग्निपुरी, गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, फूलपुर के शायर डॉ. मुबश्शिर फूलपुरी, डॉ. पीयूष मिश्र ने रसपूर्ण काव्यपाठ कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। डॉ. पीयूष मिश्र ने कवि सम्मेलन का संचालन किया। कुलसचिव प्रो. विनीता यादव, डीएस डब्ल्यू प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. एमपी अहिरवार, प्रो. जे एन पाल, प्रो. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्रो. हर्ष कुमार, प्रो. सलिल मिश्र, प्रो. एनबी सिंह प्रो.आर के चौबे, डॉ. प्रशान्त सिंह सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

दौलत के हैं मित्र

(छप्पय)

तीखेपन में प्यार झलकता है कब किसका।
हर मीठा संवाद न करता है हित सबका।
दिल रहता है मौन जुबा कुछ भी है कहती।
सच्चाई से दूर हृदय में विष है रखती।
अमृत को कहकर जहर, भरमाते दिन रात हैं।
वे ही जग में श्रेष्ठ बन बाँट रहे सौगात हैं।।

दौलत के हैं मित्र न उनको अपना कहना।
भूलो मत यह बात याद हरदम यह रखना।
मीठे-मीठे शब्द हृदय की काली भाषा।
काट रहे हैं जेब जगा कर कोरी आशा।
सच्चाई बस है यही बलि का बकरा आप हैं।
वैभव जिनके हैं सगे रूपये उनके बाप हैं।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राष्ट्रपति भवन देख छात्राएं हुईं गौरवान्वित

मथुरा। अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के इतिहास विभाग की छात्राओं ने दिल्ली शैक्षिक पर्यटन में राष्ट्रपति भवन का अवलोकन किया। राष्ट्रपति भवन की विशालता, गरिमा, व्यवस्था, सादगी और सौंदर्य देख कर छात्राएं अचंभित हो गई।

राष्ट्रपति भवन के विशेष सचिव ने छात्राओं को भवन के निर्माण इतिहास और परंपराओं के बारे में बताया।छात्राओं ने

यह दुर्लभ अवसर प्रदान किए जाने पर संबंधित अधिकारियों को अपना आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति भवन से जुड़े मुगल गार्डन (अमृत उद्यान) में छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के फूलों ,कलात्मक हरितमा को देखा।

इतिहास विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ मांडवी राठौर, डॉ मनोरमा कौशिक, दामोदर घोष जी के नेतृत्व में गए इस 56 सदस्यीय पर्यटक दल ने प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं नेहरू तारामंडल भी देखा तथा वहां ग्रहों एवं नक्षत्रों के संबंध में दिखाई जा रही चलचित्र का आनंद लिया। इस क्रम में राष्ट्रीय संग्रहालय में सिंधु घाटी सभ्यता संबंधी पुरातात्विक अवशेषों

एवं अन्य ऐतिहासिक साक्ष्यों को देखकर छात्राओं ने प्रोजेक्ट संबंधी सामग्री एकत्र की। यात्रा के अंत में छात्राओं ने इंडिया गेट देखकर उसके इतिहास के बारे में जाना एवं ऐतिहासिक कनॉट प्लेस देखकर पालिका बाजार में खरीदारी का भी आनंद उठाया।

विश्व रंगमंच दिवस पर नाट्य पाठ का वाचन

प्रयागराज। विश्व रंगमंच दिवस पर समन्वय रंग मंडल प्रयागराज ने नाटक पाठ का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रवीण शेखर रंगमंच और आज का तकनीकी पक्ष विषय पर व्याख्यान दिया उन्होंने कहा कि मंच की भाषा को व्यापक और असरदार बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग जरूरी है किंतु रंगमंच के केंद्र में अभिनेता ही है रंग भाषा को समझने और प्रयोग करने के लिए तकनीक कारगर हो सकती है लेकिन वह रंग मंच की भाषा नहीं हो सकती है केवल मनुष्य ही अभिनेता पैदा कर सकता है तकनीक के असंतुलित प्रयोग से नाट्य प्रयोग का कथ्य और भावनात्मक प्रभाव कम हो जाता है या खत्म हो जाता है इसलिए तकनीक अपनाएं लेकिन अभिनेता को केंद्र में रखकर। समन्वय की सचिव सुषमा शर्मा ने रविंद्र नाथ टैगोर की लिखी कहानी स्त्री का पत्र आधारित नाटक पाती का वाचन किया। यह कहानी एक क्रांतिकारी नारीवादी कहानी है जो 15 वर्ष की वैवाहिक जीवन के बाद में मृणाल नामक महिला द्वारा अपने पति को लिखे गए पत्र के रूप में है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, शहर के रंगकर्मी अरुण शुक्ला, जगदीश गौड़, शिव गुप्ता, चंकी बच्चन और अरनव राय, दीपेंद्र सिंह मीना, उरांव पद्मजा राय आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शारदा पाठक ने किया एवं संचालन सुशील कुमार राय ने किया।

चौता और चौती गीतों में, मुखरित होते हैं, विरह के राग-रंग: अशोक

लागल चइत महिनवा हो रामा, पिया नाहीं आये.....

करछना। लोकपर्व और बदलते मौसम की विविधता से अनुरंजित, प्रीति रीति, अनुहार, मनुहार, मस्ती और उल्लास से भरपूर हमारी माटी, परिपाटी, संस्कृति, संस्कार, लोक परम्परा के संवाहक हमारे गीत,सामाजिक अतीत और वर्तमान के प्रतिदर्श हैं। इन्हीं गीतों में एक ओर हमारे सामाजिक सम्बन्धों के ताने-बाने की स्मृतियां जीवंत हुई, तो दूसरी ओर नेह, प्रेम, सद्भाव, समरसता, छोह, विछोह, मोह के बन्धनों की ढीली पड़ती गांठों को भी कसा। रंगपर्व की फागुनी बयार में विविध प्रकार के गीतों ने मन को बहकाया,तो वहीं चौत्र मास आरम्भ होते ही पुरुष बिरह के प्रतीक चौता और चौती गीतों की परंपरा ने विरहिनी के मन की कथा- व्यथा को उजागर किया। सिवानों में खड़ी गदराई फसलें,खेत से खलिहान तक का सफर करने को आतुर हैं तो वहीं परदेसी पति के घर न होने की चिंता इन्हीं चौता गीतों में उभर कर सामने आई.... लागल चइत महिनवा हो रामा,पिया नहीं आए। अमवा बउरि गए,महुआ कुचाइ गइलें, रहि-रहि बहकेला मनवां हो रामा,पिया नहीं आए...।। इसी प्रकार अन्य कई चौता गीतों में भी,कहीं ना कहीं से विरह का भाव प्रकट होता है। भावों की व्यंजना से सृजित प्रत्येक माह में गाए जाने वाले हमारे देशज और लोक गीतों में यह गीत,शास्त्रीय गायन की विधा में भी बहुत चर्चित हुआ। इसी प्रकार नैहर से केहू नाहीं आए हो रामा,बीति गै फगुनवा.. या फिर,महुआ बिनन नाहीं जाबै हो रामा,देवरा के संगवा। जैसे चौता गीत भी काफी लोकप्रिय हुए। उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़,बिहार और खासतौर से देश के पूर्वांचल भाग में चौता और चौती गीतों के गाने की परंपरा काफी लोकप्रिय रही। आज के बदलते दौर में, खेतों ,सिवानों चौपालों में कभी बहुत चर्चित रहे चौता और चौती गीत,अब कम सुनाई पड़ते हैं।हमारे लोक कलाकारों को चाहिए कि बैठकों से लेकर मंचों तक अपने ऐसे मौसमी और पारंपरिक गीतों को अपने लोक गायन और प्रस्तुतियों में,जीवंत बनाएं।जिससे हमारे अतीत की यह परंपरा नई पीढ़ी के लोक गायकों हेतु,सोचने,समझने और गाने के प्रति प्रेरक बन सके। साथ ही साथ अपने विविध लोकगीतों की इस परंपरा को जिया जा सके।

घरेलू गैस आपूर्ति की कोई समस्या नहीं: जिला पूर्ति अधिकारी

मथुरा। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार ने आम-जनमानस को सूचित किया है कि जनपद में इण्डेन गैस कम्पनी के 44, भारत गैस कम्पनी के 11 एवं हिन्दुस्तान कम्पनी के 6 कुल 61 गैस एजेन्सी संचालित है, जिन पर एल0पी0जी उपभोक्ताओं/कनेक्शन धारको द्वारा ऑनलाइन बुंकिग किये जाने के पश्चात् सम्बन्धित गैस एजेन्सी द्वारा 03 से 04 दिन में होम डिलीवरी की जा रही है। उपभोक्ताओं से अपील है कि वह गैस कम्पनियों द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार बुंकिग आई0वी0आर0एस0, मिस्डकॉल, व्हाट्सएप, बीबीपीएस (पेटीएम, गूगल) व कम्पनी के एप से ऑनलाइन बुंकिग की व्यवस्था के माध्यम से समुचित लाभ उठायें, अनावश्यक रूप से गैस एजेन्सियों पर जाकर भीड़ न लगाये।

नगरीय क्षेत्रो में डीवीसी/सिंगल गैस धारको को 25 दिन व ग्रामीण क्षेत्र में गैस कनेक्शनधारको को 45 दिन के पश्चात् गैस सिलेण्डर बुंकिग करा सकते है। घरेलू गैस की आपूर्ति में कोई समस्या नही है। कम्पनियों द्वारा केवल व्यवसायिक सिलेण्डरो की आपूर्ति नही की जा रही है। इसी प्रकार जनपद में आई0ओ0सी0एल0 के 103, बी0पी0सी0एल0 के 50, एच0पी0सी0एल0 के 38, रिलांयस जियो बी0पी0 के 04 एव नायरा के 10 कुल 205 पेट्रोल पम्प/रिटेल आउटलेट संचालित है, जिन पर ऑयल कम्पनियों द्वारा डीजल/पेट्रोल /सी0एन0जी0 की आवश्यकतानुसार आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है।

अफबाहो पर ध्यान न देकर अनावश्यक रूप से पेट्रोल पम्पों पर आवश्यकता से अधिक डीजल/पेट्रोल/सी0एन0जी0 हेतु भीड़ न लगाये। उक्त के अतिरिक्त यह भी सूचित किया जाता है कि टोरेन्ट पावर लिमिटेड द्वारा नगरीय क्षेत्रो में घरेलू पी0एन0जी0 की आपूर्ति पाइप लाइन के माध्यम से की जा रही है।

घरेलू पी0एन0जी0 कनेक्शन 24737 संचालित है, जिन पर 24 घंटे पी0एन0जी0 आपूर्ति जारी है। एल0पी0जी0 गैस धारक उपभोक्ताओ से अपील है कि वह अपने क्षेत्र में संचलित पी0एन0जी0 गैस के क्षेत्रीय कार्यालय से सम्पर्क कर अधिक से अधिक पी0एन0जी0 कनेक्शन स्वीकृत कराकर पी0एन0जी0 ईधन का भी लाभ उठायें। शासन द्वारा घरेलू गैस की आपूर्ति निर्वाद्ध रूप से सुचारू रहे एवं कालाबाजारी पर रोक लगाये जाने के निर्देशो के क्रम में प्रतिदिन गैस एजेन्सी, पेट्रोल पम्प एवं सी0एन0जी0 पम्प की जॉच हेतु प्रवर्तन टीमें लगातार कार्यवाही कर रही है तथा किसी प्रकार की अनियमितताऐं प्रकाश में आने पर सम्बन्धित गैस एजेन्सी, पेट्रोल पम्प एवं सी0एन0जी0 पम्प के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

कानपुर सेन्ट्रल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कानपुर सेन्ट्रल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या 04151/04152 कानपुर सेन्ट्रल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

04151 कानपुर सेन्ट्रल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस			04152 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कानपुर सेन्ट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	13:00	कानपुर सेन्ट्रल	15:45	----
14:00	14:02	फतेहपुर	14:15	14:17
14:45	14:47	सिराथू	13:33	13:35
15:03	15:05	भरवारी	13:15	13:17
16:40	16:45	प्रयागराज जंक्शन	12:40	12:45
18:48	18:50	हमीरा	10:55	10:57
21:05	21:10	सतना जंक्शन	08:40	08:50
22:20	22:22	कटनी जंक्शन	07:25	07:30
23:30	23:40	जबलपुर जंक्शन	06:15	06:25
03:25	03:35	इटारसी जंक्शन	02:55	03:00
08:00	08:05	भुसावल जंक्शन	23:00	23:05
11:55	12:00	इगतपुरी	19:35	19:40
14:55	----	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	----	17:15

• कानपुर सेन्ट्रल से - गाड़ी संख्या 04151 (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 03.04.2026 से 10.07.2026 • लोकमान्य तिलक टर्मिनस से - गाड़ी संख्या 04152 (प्रत्येक शनिवार) दिनांक 04.04.2026 से 11.07.2026 • गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी-08, स्लीपर श्रेणी-09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी - 01

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 689/26 (C)

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02275/02276 सूबेदारगंज-शकूर बस्ती विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

गाड़ी संख्या - 02275 सूबेदारगंज - शकूर बस्ती			गाड़ी संख्या - 02276 शकूर बस्ती - सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
रवि, मंगल	21:35	सूबेदारगंज	04:00	मंगल, गुरु
22:45	22:47	फतेहपुर	23:40	23:42
00:15	00:20	गोविंदपुरी	22:00	22:05
02:00	02:02	इटावा	18:50	18:52
03:33	03:35	टूंडला	17:30	17:32
04:45	04:47	अलीगढ़	16:05	16:07
08:05	08:07	गाजियाबाद जं.	14:33	14:35
09:00	09:15	दिल्ली	13:30	13:45
10:15	सोम, बुध	शकूर बस्ती	सोम, बुध	13:00

सूबेदारगंज से:- गाड़ी संख्या 02275, प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार, दिनांक 05.04.2026 से 28.04.2026, शकूर बस्ती से:- गाड़ी संख्या 02276, प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार, दिनांक 06.04.2026 से 29.04.2026, गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

गाड़ी सं. 04155/04156 सूबेदारगंज-ऊधना विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरो का संचालन

सूबेदारगंज से:- गाड़ी संख्या 04155, प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार, दिनांक 02.04.2026 से 13.07.2026, ऊधना से:- गाड़ी संख्या 04156, प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार, दिनांक 03.04.2026 से 14.07.2026

उपरोक्त रेलगाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, मार्ग, संरचना एवं दिन के अनुसार संचालित होगी।

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 687/26 (A)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : 79-विद्युत/मं0/प्रयागराज/25-26 — दिनांक : 25.03.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक - 20.04.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-159-2526	काम की लागत (रू में) : 4501255.89
कार्य का नाम : "प्रयागराज-DRM कार्यालय भवन और परिसर में सुधार" कार्य के संबंध में विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 90000.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 Month
निविदा सूचना संख्या : ELG-160-2526	काम की लागत (रू में) : 6202972.36
कार्य का नाम : "AAP-SB : ADEN/ETW के अंतर्गत वे साइड कॉलोनी में सबमर्सिबल पंप के साथ जल आपूर्ति व्यवस्था का प्रावधान" कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। "फिरोजाबाद-फिरोजाबाद स्टेशन पर JEDDAH JHAL परियोजना से जुड़े भूमिगत जल टैंक का निर्माण" कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। "RPF POST PHD कार्यालय का निर्माण कार्य" से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 124100.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 Month
निविदा खुलने की तिथि : 20.04.2026, समय - 15:00 बजे	

नोट : 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 688/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है-

गाड़ी सं. 04153/04154 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

04153 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता			04154 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
गुरु.	13:00	कानपुर सेंट्रल	07:10	शनि.
14:00	14:02	फतेहपुर	03:28	03:30
15:55	16:00	प्रयागराज जं.	02:10	02:15
17:55	17:57	मिर्जापुर	(शनि.) 00:10	00:12
19:40	19:50	पं. दीन दयाल उपाध्याय	23:00	23:07
21:00	21:02	सासाराम	21:18	21:20
21:20	21:22	डेहरी ऑनसोन	21:00	21:02
22:35	22:40	गया	19:45	19:50
23:50	23:52	कोडरमा	17:50	17:52
(शुक्र.) 00:35	00:37	पारसनाथ	17:18	17:20
00:45	00:47	गोमो	16:58	17:00
01:40	01:45	धनबाद	16:30	16:35
02:45	02:50	आसनसोल	14:45	14:50
03:20	03:22	दुर्गापुर	14:13	14:15
04:51	04:53	बर्द्धमान	13:10	13:12
05:34	05:36	बैन्डेल	12:08	12:10
06:48	06:50	नैहाटी	11:30	11:32
07:50	शुक्र.	कोलकाता	शुक्र.	10:45

कानपुर सेंट्रल से: गाड़ी सं. 04153, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक 02.04.2026 से 25.06.2026, कोलकाता से: गाड़ी सं. 04154, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 03.04.2026 से 26.06.2026, गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-09 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 683/26 (ADM)

सम्पादकीय.....

अपना धर्म बनाए रखने की 'स्वतंत्रता'

'वैस्टर्न रीजन बिशप्स काऊंसिल' से संबद्ध महाराष्ट्र के कैथोलिक बिशपों ने हाल ही में महाराष्ट्र राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित 'फ्रीडम ऑफ रिलीजन' विधेयक के खिलाफ आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराया है। मुझे खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया। एक कैथोलिक के रूप में, मुझे बहुत निराशा होती यदि बिशप संविधान के उस अपमान को चुपचाप स्वीकार कर लेते, जो यह 'स्वतंत्रता' अपने साथ लाती है। संविधान के इस 'अपमान' पर विस्तार से चर्चा करने से पहले, मैं वर्तमान भाजपा सरकार के पक्ष में एक बात कहना चाहता हूं। उनके पास हास्य की अच्छी समझ है! एक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म को चुनने या उसका पालन करने की स्वतंत्रता से वंचित करना और फिर उस प्रतिबंध को 'स्वतंत्रता' का नाम देना वाकई किसी जादूगर की हाथ की सफाई जैसा है। हमारे प्रधानमंत्री 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करते हैं, लेकिन उनके अनुयायी मुसलमानों को (जो उनकी नफरत का मुख्य लक्ष्य हैं) ड्क्षहदू इलाकों में अपना सामान बेचने की अनुमति नहीं देते, जबकि वे अनंत काल से ऐसा करते आ रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से, मैं धर्म परिवर्तन के पक्ष में नहीं हूं। मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारे पादरियों और ननों को अन्य धर्मों के अनुयायियों को ईसाई धर्म की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से जानबूझकर 'सुसमाचार' का प्रचार नहीं करना चाहिए। लेकिन अगर सत्य, न्याय, दया और करुणा के उनके ईसाई जीवन से प्रभावित होकर कुछ गैर–ईसाई, ईसाई धर्म की ओर आकर्षित होते हैं, तो क्या हमारे पादरी और नन इन संभावित 'धर्म परिवर्तन करने वालों' को भगा सकते हैं? वे ऐसा नहीं कर सकते और उन्हें ऐसा करना भी नहीं चाहिए। भारतीय संविधान इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट है। ईसाई और इस्लाम दोनों के विवाह नियमों में यह आवश्यक था कि चर्च या मस्जिद में विवाह करने वाले दोनों पक्ष एक ही धर्म के हों। यदि वे नहीं थे, तो गैर–ईसाई को ईसाई धर्म में और गैर–मुस्लिम को इस्लाम में परिवर्तित होना पड़ता था, यदि विवाह उनके संबंधित कानूनों और रीति–रिवाजों के अनुसार संपन्न करना हो। कैथोलिक चर्च ने दशकों पहले इस मजबूरी को त्याग दिया है। जब गैर–कैथोलिक पक्ष द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए अनुरोध किया जाता है, तो पादरी उन्हें सूचित करते हैं कि धर्म परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। वे यह भी जोड़ते हैं कि पक्षकार इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए 5 या उससे अधिक वर्षों तक प्रतीक्षा कर सकते हैं। मैं यहां नौसेना के 2 डॉक्टरों का मामला बताता हूं, जो पुणे के ए.एफ.एम.सी. (आर्म्ड फोर्सेज मैडिकल कॉलेज) के छात्र थे और अलग–अलग धर्मों के थे। पढ़ाई के दौरान उन्हें प्यार हो गया। दूल्हा पुणे नगर पालिका के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का बेटा था। उसकी मां और मेरी मां बारदेज तालुका के छोटे से गोअन गांव बादेम में पड़ोसी और सहपाठी थीं। दुल्हन भारतीय सेना के एक सेवारत या सेवानिवृत्त मेजर जनरल की बेटी थी और पुणे के एक प्रसिद्ध चितपावन ब्राह्मण परिवार से थी। जब जोड़ा शादी के बंधन में बंधने के अपने इरादे की घोषणा करने के लिए एक जेसुइट पादरी (जो एक जर्मन थे) के पास गया, तो लड़की ने कहा कि वह कैथोलिक धर्म अपनाने को तैयार है। तुरंत जवाब आया, 'ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, मैं आपको सलाह देता हूं कि ऐसा कोई भी निर्णय लेने से पहले कम से कम पांच साल प्रतीक्षा करें।' और यह अच्छा ही रहा। क्योंकि उनका बेटा पैदा होने के तुरंत बाद, अधिकारी ने नौसेना की विमानन शाखा के सहयोगियों के साथ हैलीकॉप्टर में एक सवारी की और कभी वापस नहीं आए। हैलीकॉप्टर समुद्र में गायब हो गया और उसमें सवार सभी लोग मारे गए। मेरी मां की सहपाठी ने मेरी मां को बताया कि उन्होंने और उनके पति ने युवा विधवा को दोबारा शादी करने के लिए राजी किया, जो उसने कर ली। पूर्व बहू और उसके पहले पति के परिवार के बीच संबंध अब भी घनिष्ठ और आत्मीय बने हुए हैं। मैं इस मामले का विस्तार से उल्लेख यह साबित करने के लिए कर रहा हूं कि कैथोलिक चर्च पिछले कुछ वर्षों में नाटकीय रूप से बदला है और उसने चर्च की शिक्षाओं को आधुनिक विचारों के साथ समायोजित किया है। वर्तमान में, 'जबरन धर्म परिवर्तन' के आरोप से बचने का एकमात्र समाधान 'मैरिज रजिस्ट्रार' के कार्यालय में शादी करना है, जैसा कि मेरी बेटी ने किया था। हाल ही में, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक मुस्लिम पुरुष साथी को रजिस्ट्रार कार्यालय में शादी करने और अपनी हिंदू महिला साथी के खाते में 3 लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया, ताकि उसके माता–पिता की इस मांग को खारिज किया जा सके कि उसे उसके मायके वापस भेज दिया जाए।

युद्ध के चलते दुनिया भर में 'ऊर्जा लॉकडाऊन' का डर!

रजनीश कपूर

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज', जिससे दुनिया के 20 प्रतिशत तेल और एल.एन.जी. का परिवहन होता है, प्रभावी रूप से बंद हो गया है। ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड और कतर के रास लाफान एल.एन.जी. प्लांट पर हमलों से वैश्विक उत्पादन में 3.5 प्रतिशत की कमी आई है।

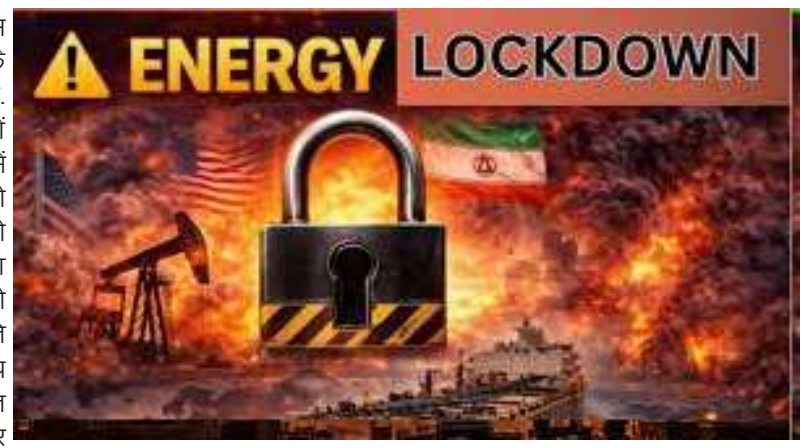

विश्व आज एक नए संकट के कगार पर खड़ा है। 28 फरवरी 2026 को शुरू हुए अमरीका–इसराईल और ईरान युद्ध ने मात्र 4 सप्ताह में वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज', जिससे दुनिया के 20 प्रतिशत तेल और एल.एन.जी. का परिवहन होता है, प्रभावी रूप से बंद हो गया है। ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड और कतर के रास लाफान एल.एन.जी. प्लांट पर हमलों से वैश्विक उत्पादन में 3.5 प्रतिशत की कमी आई है, जिसकी मुरम्मत में वर्षों लग सकते हैं। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं, जबकि भारत जैसे आयात–निर्भर देशों में ईंधन, एल.पी.जी. और बिजली की आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में 'ऊर्जा लॉकडाऊन' की चर्चा जोर पकड़ रही है। एक ऐसी स्थिति, जिसमें ईंधन राशनिंग, बिजली कटौती और औद्योगिक गतिविधियों पर अंकुश लग सकता है, ठीक कोविड जैसी आपात स्थिति की तरह। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजैंसी (आई.ई.ए.) के प्रमुख फितह बिरोल ने इसे 'मेजर, मेजर थ्रैट' बताया है। होर्मुज बंद होने से न केवल तेल, बल्कि उर्वरक, हीलियम और सल्फर की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, जो खाद्य उत्पादन और ए.आई. तकनीक तक को प्रभावित कर रही है। बंगलादेश ने पहले ही ईंधन राशङ्क्षनग लागू कर दी है। श्रीलंका में अनिवार्य ऊर्जा अवकाश की घोषणा हुई है। भारत में भी पैट्रोल–डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं, एल.पी.जी. सिलैंडर की आपूर्ति अनिश्चित है और बिजली संयंत्रों में कोयला–गैस का संकट गहरा रहा है। यदि युद्ध लंबा चला तो 'ऊर्जा लॉकडाऊन' वास्तविकता बन सकता है। यानी उद्योग बंद, परिवहन सीमित और घरेलू बिजली पर पाबंदी। यह न केवल मुद्रास्फीति बढ़ाएगा, बल्कि विकास दर को 1–2 प्रतिशत तक घटा सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि होर्मुज 2–3 महीने और बंद रहा तो वैश्विक मंदी अनिवार्य हो जाएगी। लेकिन संकट के बीच आशा की किरण भी दिख रही है। शांति वार्ता की संभावना बन रही है और इसमें पाकिस्तान की भूमिका अचानक केंद्र में आ गई है। खबरों के अनुसार, अमरीकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलीबाफ के बीच इस्लामाबाद में संभावित शिखर वार्ता की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान ने 15 प्वॉइंट प्रस्ताव अमरीका की ओर से ईरान तक पहुंचाया है, जिसमें होर्मुज खोलने, यूरेनियम संवर्धन सीमा और मुआवजे जैसे मुद्दे शामिल हैं। सवाल उठता है कि क्या युद्धविराम संभव है? कूटनीतिक विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता एक 'टर्निंग प्वॉइंट' साबित हो सकती है क्योंकि दोनों पक्ष थक चुके हैं। तेल की महंगाई के चलते अमरीका को घरेलू आर्थिक दबाव और इसराईल को क्षेत्रीय विस्तार की सीमा का सामना करना पड़ रहा है। ईरान की अर्थव्यवस्था पहले से ही चरमरा रही है। वाशिंगटन इंस्टीच्यूट और स्टिमसन सैंटर के विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्ध 'कोई स्पष्ट विजेता' नहीं देगा। इसराईल के हमलों से ईरान की ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिनकी मुरम्मत में वर्षों लगेंगे। ईरान की ओर से जवाबी हमले अभी भी जारी हैं। यदि युद्धविराम हो भी गया तो भी 'दूसरे चरण' के मुद्दे जैसे कि परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और मुआवजा आदि बने रहेंगे। यदि पाकिस्तान सफल हुआ तो भारत को फायदा होगा, क्योंकि हमारा 60 प्रतिशत तेल आयात मध्य–पूर्व से आता है लेकिन भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कि रणनीतिक भंडार बढ़ाना, नवीकरणीय ऊर्जा को तेज करना और रूस–मध्य एशिया से आयात विविधीकरण करना। 'ऊर्जा लॉकडाऊन' से बचने का एकमात्र रास्ता कूटनीति है। लेकिन यदि युद्ध जारी रहा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत जैसे विकासशील देशों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा, न केवल संकट प्रबंधन के लिए, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए भी। यह संकट हमें याद दिलाता है कि युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि ऊर्जा पाइपलाइनों और आर्थिक आपूर्ति शृंखलाओं पर भी लड़ा जाता है। गौरतलब है कि शांति की अपील सभी पक्षों, अमरीका, इसराईल, ईरान और मध्यस्थ देशों से होनी चाहिए। अन्यथा, दुनिया भर में 'ऊर्जा लॉकडाऊन' का साया काफी देर तक मंडराता रहेगा।

वाह सुक्खू बोलिए, वाह!

इसी 21 मार्च को जब हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य का वार्षिक बजट पेश किया तो एक क्रांतिकारी काम किया। अफसोस यह है कि उसकी चर्चा उसे हिसाब से नहीं हुई। शायद ईरान–इजरायल–अमेरिका युद्ध कारण होगा लेकिन मीडिया, खासकर प्रिन्ट मीडिया को देखें तो दूसरे विषय भी पर्याप्त जगह पा रहे हैं– जी हां क्रिकेट का आईपीएल टूर्नामेंट तो शुरू होने के पहले से भर–भर पन्ने जगह पाने लगा है। हिमाचल भी इधर क्रिकेट में आयोजन के चलते चर्चा में रहा था, अपने आयोजक अधिकारियों के लिए विमान से मर्सीडीज टैक्सियां लाने ले जाने के लिए क्योंकि धर्मशाला जैसी छोटी जगह में ऐसी टैक्सियां कोई लेता ही नहीं। संयोग से क्रिकेट प्रशासन आजकल भाजपाई नेताओं के हाथ में है और सुक्खू साहब कांग्रेसी हैं। उन्होंने राज्य की वित्तीय परेशानियों के मद्देनजर अपना वेतन समेत सारे मंत्रियों, विधायकों, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के वेतन में कटौती की और इसे छह महीने तक टालने का फैसला किया। विधायकों और छोटे अधिकारियों का वेतन बीस फीसदी कम हुआ तो मंत्रियों और बड़े अधिकारियों के वेतन में तीस फीसदी कटौती हुई और खुद मुख्यमंत्री ने अपना वेतन पचास फीसदी कम कर दिया। छोटे कर्मचारियों और पेंशन वालों के लिए कोई कटौती नहीं हुई। अब हिमाचल में आर्थिक आपातकाल है या नहीं यह बहस का विषय हो सकता है लेकिन इस कदम पर कोई बहस नहीं हो सकता और आम तौर पर इसकी तारीफ ही हुई है–शिकायत है तो यही कि ज्यादा शोर क्यों नहीं मचा। चर्चा तो हिमाचल विधान सभा में हुई लेकिन विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर की आलोचना बजट का आकार घटाने पर केंद्रित थी तो उनकी चिंता राज्य की अर्थव्यवस्था के पीछे जाने की थी। मुख्यमंत्री केंद्र से मिलने वाले लगभग आठ हजार करोड़ का अनुदान रोके जाने की शिकायत के साथ बजट के आकार में कमी को भी उसी से जोड़ते रहे। दिलचस्प है कि हिमाचल की कटौती की चर्चा कर्नाटक विधान सभा में हुई और भाजपा विधायक वी सुनील कुमार ने कर्नाटक के बजट की 14 फीसदी रकम सब्सिडी पर और एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम चुनावी रेवड़ियों पर खर्च का हवाला देते हुए हिमाचल जैसी स्थिति आने की चेतावनी दी। हिमाचल में कांग्रेस ने कई बड़े वायदे किए थे जिनमें पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाना भी शामिल था और सुक्खू साहब बार–बार आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए इनमें से कई योजनाओं पर अमल टालते रहे थे। भाजपा इसे देश भर में मुद्दा बनाती रही थी। हिमाचल ही नहीं कि अन्य राज्यों के ऐसे अनुभव का कोई प्रभाव चुनावी वायदों पर पड़ता नहीं दिखा है। अभी घोषित चुनावों में भी हर दल बढ़–चढ़ कर वायदे किए जा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू की पहल इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यह एक नई शुरुआत है और इसमें संभावना है कि चुनावी वायदों पर स्वैच्छिक अंकुश के साथ गरीब और अमीर राज्यों की सरकारों के आचरण में फर्क की शुरुआत हो। और इस लेखक जैसे काफी लोग हैं जिन्हें लगता है कि यह प्रयोग तो भारत सरकार के स्तर पर भी दोहराया जाना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री दावा जो करें हम अभी भी एक गरीब देश हैं और सुरक्षा या शान जिस भी नाम से हो हमें विकसित देशों जैसे खर्च से बचना चाहिए। हजारों करोड़ रुपए का विशेष विमान अमेरिकी राष्ट्रपति रख सकते हैं हमारे लिए वह बोझ है और अगर कोई देश या प्रांत गरीब है तो गरीबी का अनुभव और किफायतों का बोझ सिर्फ आम लोग क्यों उठाए? पहले तो यह काम कथित नेता या अगुआ लोगों को करना चाहिए। उनको विदेशों से या बहुराष्ट्रीय निगमों के अधिकारियों से तुलना नहीं करनी चाहिए। एक न्यूनतम जरूरत का खयाल रखते हुए उन्हें अपने वेतन और सुविधाओं में कटौती करनी चाहिए। चुनाव के समय बड़ी–बड़ी बातें कहने के बाद जनता के पैसे से शीश महल बनवाने और उड़न खटोले में घूमने से बचना चाहिए। और कहना न होगा कि इस मामले में हिमाचल के फैसलों के अनुसरण में बिहार, ओडिशा, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को आगे आना चाहिए और कांग्रेस तथा भाजपा जैसी पार्टियों को दबाव बनाकर अपनी सरकारों के शाहखर्ची पर रोक लगानी चाहिए। चुनावी वायदों का पिटारा खोलते वक्त पार्टियां और नेता उनसे जुड़ी परेशानियां तो भूलते ही हैं अपने राज्य या मुल्क की आर्थिक स्थिति को लेकर रोना रोने में भी वे होड़ लगाते हैं, पर कोई भी खर्चों में कमी या किफायत वाले कदम नहीं उठाता। छोटे–छोटे राज्यों के पास सरकारी विमानों का बेड़ा सा है जिसे नेता और अधिकारी जहां तहां लिए घूमते रहते हैं। कोई कायदा कानून इन पर लागू नहीं होता। कभी पार्टियां दूसरे की सरकारों की वित्तीय परेशानियों की चर्चा तो कर लेती हैं लेकिन जब अपनी सरकारों की बारी आती है तो एकदम दूसरा रुख अपना लेती है। हिमाचल के आसपास ही महाराष्ट्र सरकार बनी तो उसको भी चुनावी वायदों को लेकर दिक्कत हुई। कई योजनाएं टलीं और लाड़ली बहन योजना समेत कई की लाभार्थियों की सूची में कतर–ब्योंत हुई। लेकिन जैसे ही स्थानीय निकाय के चुनाव आए उसी महाराष्ट्र सरकार ने दो– दो महीने का एडवांस पैसा लाभार्थियों के खाते में भेजने का फैसला किया।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

बेटी बेटो में कभी, क्यूँ करना मतभेद।
ओछी होती सोच यह, बढ़ते नित मनभेद।।
बढ़ते नित मनभेद, प्यार रिश्तो में खोता
रूकता सदा विकास, समाज कलंकित होता।।
खुशियाँ रचना आज, बिखेरो भरकर पेटी।
बदलो अपनी सोच ,बराबर बेटा बेटी

खतरा है अब तीसरे, विश्व युद्ध का आज।
युद्ध करने से देश जब, नहीं आएँगे बाज।।
नहीं आएँगे बाज, छुएगी नभ मँहगाई ।
विष का सागर देख, शत्रुता में गहराई।।
कहती रचना आज, मिटेगा कतरा कतरा।
बदली नहीं जो सोच, बढ़ेगा हर दिन खतरा।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

मिडिल ईस्ट युद्ध ने ट्रम्प की मुश्किलों को बढ़ाया

राजेश पांडेय

मिडिल ईस्ट युद्ध की लपटें अब दुनिया को झुलसाने लगी हैं। तेल, गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव जारी है। युद्ध लंबे समय तक चला तो ग्लोबल अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पांच दिन के युद्धविराम की पेशकश ने उम्मीदें जगाई हैं। जाहिर है, ट्रम्प अनिश्चय की स्थिति में हैं। युद्ध की दिशा उनके अनुमान के मुताबिक नहीं रही है। यही स्थिति इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की है। ट्रम्प–नेतन्याहू ने सोचा था कि उनके सामने इजरायल जल्द पस्त हो जाएगा। लेकिन 26 मार्च तक तो ऐसा नहीं हुआ था। अमेरिका के शांति प्रस्तावों पर ईरान ने कड़ा रुख अपनाया है। भारी तबाही के बावजूद वह अपने कुछ मुद्दों पर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। मौजूदा युद्ध के उद्देश्यों पर हमेशा सवाल उठेंगे। हानि–लाभ का हिसाब लगाया जाएगा। पूछा जाएगा कि चीन, रूस और भारत जैसे देशों की भूमिका क्या रही? नेतन्याहू के बहकावे पर युद्ध में कूदे ट्रम्प के सामने तो कोई स्पष्ट लक्ष्य तक नहीं है। वैसे, अमेरिका की हथियार लॉबी का धंधा जोर पकड़ चुका है। अमेरिका को अब तक इजरायल और खाड़ी देशों से करोड़ों रुपए के हथियारों की सप्लाई के ऑर्डर मिले हैं। लेकिन कुछ वास्तविकताएं ट्रम्प की मुश्किलों को सामने रखती हैं। ट्रम्प बिजनेसमैन हैं। वे राजनीति को नफा–नुकसान के नजरिये से देखते हैं। लिहाजा, तेल, गैस की सप्लाई में रुकावट से बिजनेस पर पड़ने वाला असर उनके लिए चिंता पैदा कर रहा है। युद्ध से ट्रम्प और अमेरिका की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होगी। वे जब से दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, कई जगह अमेरिकी ताकत का दुरुपयोग कर चुके हैं। उन्होंने वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का रातों–रात अपहरण कर लिया था। ट्रम्प नोबल शांति पुरस्कार पाने की लालसा रखते हैं लेकिन उन्होंने ईरान के बहुत बड़े हिस्से को उजाड़ डाला है। वहां वियतनाम और गाजा पट्टी जैसी सघन बमबारी हुई है। स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, पुलों और रिहायशी इलाकों को तहस–नहस करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी गई है। ईरान के डटे रहने से ट्रम्प के राजनीतिक प्रभाव में सेंध लग रही है। उनकी दुनिया को दबाने की ताकत क्षीण होगी। चीन, रूस जैसे देशों के सामने असहाय महसूस करने वाले देश सोच सकते हैं कि जब ट्रम्प ईरान जैसे देश को नहीं झुका पाए तो वे इन देशों का क्या कर लेंगे? ट्रम्प यदि जीतते नहीं हैं तो अमेरिकी में उनकी राजनीतिक स्थिति कमजोर होगी। अमेरिका तेल, गैस का निर्यातक है। फिर भी, वहां गैस के मूल्य बढ़ रहे हैं। अक्सर जनमत के निर्धारण में महंगाई की अहम भूमिका होती है। इसलिए अनुमान लगाए जा रहे हैं कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी संसद के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति की रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान हो सकता है। लगता है, स्थिति संभालने के लिए ट्रम्प ने पहले 48 घंटे और फिर पांच दिन के युद्धविराम का पांसा फेंका है। वे किसी समझौते की स्थिति में विजेता बनकर उभरने की कोशिश करेंगे। ट्रम्प भ्रम के अंधेरे में भटक रहे हैं तो नेतन्याहू का एजेंडा एकदम साफ है। उनका राजनीतिक कॅरियर दुस्साहस, जोखिम और निर्ममता का पर्याय है। 2023 के बाद गाजा में हजारों बेकसूर फिलिस्तीनियों की हत्या ने उनका हौसला बढ़ाया है। ईरान पर हमले के लिए उन्हें देश की जनता के बड़े हिस्से का समर्थन भी है। इजरायलियों के बीच धारणा है कि उनके देश के अस्तित्व को ईरान से सबसे ज्यादा खतरा है। नेतन्याहू गाजा में जनसंहार के बाद भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। राष्ट्रपति उन पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा चलाने की अनुमति दे चुके हैं। इजरायल में इस साल चुनाव हैं। इस वक्त नेतन्याहू की सरकार कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियों को समर्थन से चल रही है। लिहाजा, वे ईरान युद्ध से चुनाव में अपनी पार्टी के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। नेतन्याहू को भरोसा था कि हमले के बाद ईरान की जनता वर्तमान सरकार के खिलाफ बगावत कर देगी। दरअसल, ईरान में कट्टरपंथी धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ जनता खासकर युवाओं ने लंबा आंदोलन छेड़ा था। खामेनेई सरकार ने आंदोलन का बेहद क्रूरता से दमन किया था। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरान में बगावत भड़काने की काफी कोशिश की लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। बाहरी आक्रमण देश में एकजुटता पैदा करता है। लोगों में देशभक्ति की भावना जोर पकड़ती है। ईरान में ऐसा ही हुआ है। युद्ध के मामले में अमेरिका–इजरायल की प्राथमिकताएं अलग–अलग हैं। इजरायल क्षेत्रीय ताकत है। वह मिडिल ईस्ट में अपने सामने किसी तरह की बड़ी चुनौती नहीं चाहता है। उसका लक्ष्य सीमित है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका को वैश्विक महाशक्ति होने के नाते पूरी दुनिया की स्थिति को ध्यान में रखकर फैसले करने पड़ते हैं।

लेकिन, ईरान के मामले में वह दिशाहीनता शिकार है। ट्रम्प के अप्रत्याशित व्यवहार के बावजूद भारत, रूस, चीन का रुख निर्णायक नहीं रहा है। ये तीनों देश चाहते तो अमेरिका, इजरायल पर दबाव डाल सकते थे। अमेरिका, इजराइल हमले के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया बेहद सतर्कता भरी रही है। ऐसा लगता है,वह किसी दबाव में है। विदेश नीति में पहले जैसी स्पष्टता, दूरदर्शिता का अभाव है। 140 करोड़ की आबादी का भारत आज पहले के मुकाबले आर्थिक और सैनिक रूप से बहुत मजबूत है। लेकिन उसका प्रभाव बहुत क्षीण है। उसके रुख में स्पष्टता और प्रखरता की कमी है। वह अमेरिका, इजरायल के पीछे खड़ा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समय वैश्विक मंच पर भारत की आवाज को अहमियत मिलती थी। भारत ने कई मौकों पर देशों की संप्रभुता का उल्लंघन होने पर कड़ा विरोध जताया है। उसने एशिया, अफ्रीका में साम्राज्यवाद के खिलाफ असरदार मुहिम चलाई थी। वह कमजोर देशों का सहारा था। कई मौकों पर अंतरराष्ट्रीय विवादों में भारत ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई थी। भारत की पहचान नैतिकता, सिद्धांतों और इंसाफ का साथ देने वाले देश की थी। जिन नेताओं और उनके समर्थकों ने भारत को विश्वगुरू और विश्वमित्र के खिताब से विभूषित कर रखा था, उनकी आवाज न जाने कहां गुम हो गई है। ईरान युद्ध से दुनिया को काफी नुकसान हो चुका है। भावी विध्वंस को लेकर प्रभावशाली देश चिंतित नहीं हैं। लगता है, बड़े देशों के बीच अघोषित समझौता हो चुका है कि वे कुछ भी करें, दुनिया को अपने डंडे के बल पर कैसे भी हांकें, दूसरा कुछ नहीं बोलेगा। यूक्रेन पर रूसी हमले के चार साल बीत चुके हैं। चीन ने मध्यस्थता करने की बजाय रूस का साथ दिया है। अमेरिका और यूरोपीय देश देर से यूक्रेन की मदद के लिए आगे आए हैं। यूरोपीय देश चाहते तो अपनी सामूहिक ताकत के बूते रूस को सबक सिखा सकते थे। लेकिन, उन्होंने तत्काल निर्णायक कदम नहीं उठाए। इसलिए विशेषज्ञों को लगता है कि यूक्रेन, गाजा और ईरान युद्ध के समान ताइवान पर चीनी हमले के समय भी बड़े देश चुप बैठ सकते हैं।

एलनाज नौरोजी बोलीं– खामेनेई की मौत पर वही रो रहे, जिन्हें ईरान के बारे में कुछ पता नहीं

श्सेक्रेड गेम्सश, श्अभयश, श्मेड इन हेवेनश जैसी चर्चित सीरीज और श्तेहरानश से लेकर श्मस्ती 4श जैसी बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुकीं ईरानी मूल की एक्ट्रेस–सिंगर एलनाज नौरोजी इन दिनों ईरान पर बेबाकी से अपनी बात रख रही हैं। नवभारत टाइम्ब्स से बातचीत में उन्ब्होंने युद्ध के हालात, ईरान की सत्ता, और खामेनेई परिवार पर खुलकर बात की हैरू एलनाज नौरोजी बोलीं– खामेनेई की मौत पर वही रो रहे, जिन्ब्हें ईरान के बारे में कुछ पता नहीं ईरान पर हुए अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद से ही पूरे मिडब्लि ईस्ब्ट में अशांति का माहौल है। आसमान से बारूद की बरसात हो रही है। इस बीच ईरान की सुप्रीम लीडरशब्पि भी बदली है। अयातुल्ब्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीड चुना गया है। हालांकि, एक्ब्ट्रेस और सिंगर एलनाज नौरोजी इसे ईरान की जनता की असली जीत नहीं मानती हैं। श्सेक्रेड गेम्ब्सश और श्मस्ब्ती 4श फेम 33 साल की ईरानी मूल की एलनाज कहती हैं, श्हम ईरानी लोग 47 वर्षों से आजादी चाह रहे हैं। खामेनेई के शासन का अंत बहुत जरूरी है।श वह कहती हैं, श्जो लोग उन्हें सिर्फ एक धार्मिक नेता के रूप में देख रहे है और आंख मूंदकर फॉलो कर रहे हैं। उनको सच्चाई का जरा भी अंदाजा नहीं है। जिसने हजारों लोगों की हत्या करवाई, जिसने हमास, हिजबुल्ला और हूती जैसे तमाम आतंकी संगठनों को फंड किया, आप ऐसे किसी इंसान को कैसे सपोर्ट कर सकते हैं?श एलनाज का परिवार अभी भी ईरान में है। वह बताती हैं कि उनकी लगातार अपने लोगों से बात हो रही है। सब सुरक्षब्ति हैं और खुश हैं कि आखब्रिकार ईरान में सत्ता परिवर्तन की एक अलख जगी है। वह कहती हैं, श्ईरान, अफगानिस्तान जैसे देशों में औरतें किस तरह रह रही हैं, यदि आपको पता चले तो आप चौंक जाएंगे। वहां आप बराबरी की बात भी नहीं कर सकतीं। भारत में भी इस ओर सुधार की गुंजाइश है और सुधार होना भी चाहिए, लेकिन दुनिया में आप कहीं भी जाएं, औरतें बराबर नहीं हैं।श आगे पढ़ब्लि, एलनाज नौरोजी से यह खास बातचीत– ईरान के लोग 47 साल से इस शासन को बदलने की कोशिश कर रहे थे। वे सबको गोली मार देते थे, जेल में डाल देते थे, उत्पीड़न करते थे, दुर्भाग्य से यही एक रास्ता था। हम आखिरकार वहां पहुंच रहे हैं जो इतने साल से चाह रहे थे। आप हमेशा से अपनी जन्मभूमि ईरान में सत्ता परिवर्तन की पैरोकार रही हैं। लेकिन अभी वहां जो अस्थिरता का माहौल है, उसे देखकर दिल–ओ–दिमाग में क्या चल रहा है? मेरे मन में बहुत सारी मिली–जुली भावनाएं हैं। वैसे तो 47 साल के बाद उम्मीद की एक छोटी सी किरण दिख रही है, जो मेरी पूरी जिंदगी में कभी नहीं थी। ईरान के लोग 47 वर्षों से इस शासन को बदलने की कोशिश कर रहे थे, जो नहीं हो रहा था, क्योंकि वे सबको गोली मार देते थे, जेल में डाल देते थे, उत्पीड़न करते थे, तो दुर्भाग्य से यही एक रास्ता था। हम आखिरकार वहां पहुंच रहे हैं जो इतने साल से चाह रहे थे। अभी उस शासन का खात्मा हुआ तो नहीं है, लेकिन हम उम्मीद कर रहे है कि इसका अंत हो। ईरान के लोगों को आजादी मिले। साथ ही शांति कायम हो, क्योंकि एक बार इस शासन का खात्मा हो जाएगा तो कई आतंकी संगठन भी खत्म हो जाएंगे और दुनिया एक बेहतर जगह बन पाएगी। ईरान पर इजराइल–अमेरिका के हमले और ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत को लेकर दो खेमे दिख रहे हैं। एक तबका खुश है तो दूसरा नाराज होकर सड़कों पर विरोध जता रहा है, आपकी इस बारे में क्या राय है? देखिए, जो लोग उनके लिए रो रहे हैं या उनकी मौत की आलोचना कर रहे हैं, वो सिर्फ इसलिए है कि उनके पास सही जानकारी नहीं है। उन्हें ईरान के बारे में पता ही नहीं है। उन्होंने ईरान के राजनीतिक हालात के बारे में पढ़ा–सुना नहीं है। कभी उनके नेतृत्व में रहे नहीं हैं। वे उन्हें सिर्फ एक धार्मिक नेता के रूप में देख रहे है और आंख मूंदकर फॉलो कर रहे हैं। उनको सच्चाई का जरा भी अंदाजा नहीं है। अगर वो आपका नेता हो और आप पर जुल्म करे, तब आपको अहसास होगा तो मैं इसके लिए इन लोगों की अज्ञानता को दोष दूंगी, क्योंकि कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसे इंसान का समर्थन नहीं करेगा, जिसने हजारों लोगों की हत्या करवाई हो, जिसने हमास, हिजबुल्ला और हूती जैसे तमाम आतंकी संगठनों को फंड किया हो, आप कैसे ऐसे अपराध करने वाले इंसान को सपोर्ट कर सकते हैं? इसलिए मैं इतना बुरा नहीं मान रही हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि उनके पास जानकारी नहीं है। आपके परिवार वाले–रिश्तेदार ईरान में हैं, उनसे कुछ बातचीत हुई? अभी तो वहां इंटरनेट ब्लैकआउट है। जब भी कुछ होता है, ये लोग इंटरनेट को बंद कर देते हैं। जबकि, आप सोचो तो ऐसे युद्ध के समय में इंटरनेट बंद करके आपने अपने लोगों को कितने खतरे में डालते हैं कि वे किसी से कम्यूनिकेट नहीं कर सकते। आप कैसे शासक हैं, कैसे नेता हैं, ये बिल्कुल समझ में नहीं आता। हालांकि मेरे परिवार वालों ने मुझे कल ही कॉल किया था। वे ठीक हैं। घर पर हैं और जो हमले हुए हैं, वो बहुत ही सटीक तरीके से हुए हैं तो सब ठीक है।

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर कानूनी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर और उनकी बेटियां जान्हवी कपूर व खुशी कपूर ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। स्पअम स्रं की रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा मामला चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड स्थित श्रीदेवी की एक प्रॉपर्टी से जुड़ा है। इस संपत्ति को लेकर एक व्यक्ति ने दावा किया है और इसी के तहत उसने चेंगलपट्टू की जिला अदालत में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, चेंगलपट्टू ने कपूर परिवार की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने इस याचिका को शुरुआती स्तर पर ही खारिज करने की मांग की थी। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ अब बोनी कपूर और उनकी बेटियों ने मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह मुकदमा कानूनन टिकाऊ नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए।

पंजाबी सिंगर जैस्मिन सैंडलस अपनी दमदार आवाज और अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं. श्धुरंधरश में उनका गाना श्शरारतश बहुत जबरदस्त हिट हुआ. जैस्मिन ने कई हिट गाने दिए हैं और म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है. हाल ही में सिंगर का एक अलग ही रूप देखने को मिला, जब वह महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में भगवान की भक्ति में लीन नजर आईं. भक्ति में डूबी जैस्मिन सैंडलस दरअसल, जैस्मिन सैंडलस उज्जैन पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकाल के दर्शन किए. इस दौरान का एक वीडियो उन्होंने अपने यूट्यूब चौनल पर भी शेयर किया है. वीडियो में सिंगर काफी सिंपल लुक ने नजर आ रही हैं. मंदिर में चल रही आरती के दौरान हाथ जोड़कर भगवान की पूजा करती दिखाई दे रही हैं. खास बात यह रही कि आरती के समय वो काफी इमोशनल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू भी निकल आए।

संजय दत्त की 'आखरी सवाल' की रिलीज डेट फाइनल

नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले निखिल नंदा, धनराज नथवानी और संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म आखरी सवाल में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की एक शानदार फौज नजर आएगी! संजय दत्त की फिल्म आखरी सवाल की सिर्फ पहली झलक ही सामने आई थी कि उसने खलबली मचा दी, जिसमें आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच, अब एक नया असरदार पोस्टर जारी किया गया है, जो अपने शानदार विजुअल्स के साथ बहुत कुछ कह रहा है और रिलीज की तारीख 15 मई 2026 का भी खुलासा कर रहा है। आखरी सवाल का यह पोस्टर वास्तव में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है जिसे फिल्म में दिखाया गया है। एक बड़े क्वेश्चन मार्क के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती हैरू "वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया।" यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। पोस्टर पर रिलीज की तारीख भी साफ तौर पर 15 मई 2026 दिखाई गई है। इसके अलावा, आखरी सवाल दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 साल की यात्रा की सच्ची कहानी लेकर आने वाली है, जिसकी स्थापना 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया, यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं। भारत के युवाओं के मन में इस संगठन को लेकर कई सवाल और गहरी उत्सुकता है, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक रहस्य जैसा रहा है, क्योंकि यह संगठन खुद का प्रचार करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने में विश्वास नहीं रखता। इस फिल्म में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की एक बेहतरीन कास्ट शामिल है। इतने अनुभवी और टैलेंटेड कलाकारों के साथ, यह फिल्म दर्शकों पर एक गहरा प्रभाव छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। ध्अभिजीत मोहन वारंग, जिन्होंने 2021 में मराठी ड्रामा पिकासो के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की थी, उन्हें 67वें नेशनल फिल्म अवार्ड्स में स्पेशल मेंशन मिला था। उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में शानदार फिल्में दी हैं। उनके कुछ कामों में डेजा वू, प्रेम प्रथा धूमशान, पिकोलो और शॉर्ट फिल्म वर्चुअल रियलिटी शामिल हैं। नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के मेकर्स हॉटस्टार और अन्य प्लेटफार्मों के लिए कई प्रोजेक्ट्स पहले ही पूरे कर चुके हैं। आखरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा और धनराज नथवानी द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके सह–निर्माता हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिर से मां बनने वाली हैं दिशा परमार?

सिंगर राहुल वैद्य और एक्ट्रेस दिशा परमार को लेकर हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि यह कपल दूसरी बार माता–पिता बनने वाला है। इन खबरों ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी, लेकिन अब खुद राहुल और दिशा ने इन सभी अटकलों पर साफ तौर पर विराम लगा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल वैद्य ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं है और यह सिर्फ अफवाहें हैं। राहुल के अनुसार, हम अपने पहले बच्चे में व्यस्त हैं और उसकी तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती। मैं इसके लिए जितना भी उत्सुक क्यों न होऊं, अभी ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। फिलहाल दोनों अपनी फैमिली लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं और अपनी बेटी नव्या की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। राहुल वैद्य और दिशा परमार ने 16 जुलाई 2021 को शादी की थी। शादी के दो साल बाद, 2023 में दोनों ने अपनी बेटी नव्या का स्वागत किया। तब से ही यह जोड़ी अपने पैरेंटहुड को खुलकर एंजॉय कर रही है। राहुल वैद्य ने अपने करियर की शुरुआत 'इंडियन आइडल 1' से की थी, जहां वह दूसरे रनर–अप रहे। इसके बाद उन्होंने 'बिग बॉस 14' में भी शानदार प्रदर्शन किया और रनर–अप बने। साथ ही, 'खतरों के खिलाड़ी 11' में भी वह फाइनलिस्ट रहे। इन दिनों वह 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आ रहे हैं। वहीं दिशा परमार टीवी इंडस्ट्री का जाना–पहचाना नाम हैं। उन्होंने 'प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा' और 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' जैसे लोकप्रिय शो में काम किया है।

गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखेगा खीरा, ये 6 फायदे भी कर देंगे हैरान

गर्मी के मौसम में खीरा काफी मात्रा में पााया जाता है। सलाद के तौर पर इसका सेवन शरीर के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, विटामिन–सी, विटामिन–के जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर को एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। डायबिटीज के मरीज भी इसका सेवन कर सकते हैं इसे खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है। खीरा कई तरह की बीमारियों को दूर रखता है और शरीर को लंबे समय तक हेल्दी भी रखता है। सिर्फ यही नहीं इसका सेवन करने से शरीर को कुछ और स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं तो आइए जानते हैं इनके बारे में।

पाचन बनेगा मजबूत

गर्मियों में खीरा खाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में यह कब्ज की समस्या को आसानी से दूर करता है। खीरा खाने से मल सॉफ्ट होता है और पेट साफ होता है। इसके अलावा खीरा खाने से जी मिचलाना, गैस और अपच जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

खीरा इस मौसम में खाने से इम्यूनिटी पॉवर भी मजबूत होती है। इसमें विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और बीमारियां दूर रखने में मदद करता है। इस मौसम में खीरा खाने से शरीर वायरल इंफेक्शन जैसे सर्दी, फ्लू जैसी समस्याओं से भी दूर रहता है।

डिहाइड्रेशन होगी दूर

इसका सेवन करने से बॉडी की और भी कई समस्याएं दूर होती हैं। शरीर के मेटाबॉल्जिम को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की जरुरत होती है ऐसे में खीरे का रोजाना सेवन करने से शरीर को 40: पानी मिलता है। इसमें पाए जाने वाले इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को हाइड्रेट रखकर डिहाइड्रेशन से भी बचाव करते हैं।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

वजन कम करने के लिए भी खीरे का सेवन बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें कैलोरी कम मात्रा और फैट बिल्कुल भी नहीं मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिलती है।

ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

पोषक तत्वों से भरपूर खीरे का सेवन करने से ब्लड प्रेशर की समस्या भी आसानी से दूर होती है। खीरे में मैग्नीशियम और पोटेशियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है ऐसे में यह ब्लड प्रेशर कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

स्किन को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है विटामिन सी सीरम, जानिए इस्तेमाल का तरीका

वैसे तो स्किन केयर के लिए मार्केट में कई सारे प्रोडक्ट मिलते हैं। स्किन टाइप के हिसाब से हर प्रोडक्ट तैयार किया जाता है। जिससे कि जब उस प्रोडक्ट को फेस पर अप्लाई किया जाए तो स्किन को किसी तरह की दिक्कत न हो। वहीं डॉक्टर्स भी स्किन पर विटामिन सी सीरम अप्लाई करने की सलाह देते हैं। क्योंकि इससे स्किन को कई फायदे होते हैं। लेकिन अगर आपको कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो एक्सपर्ट्स की सलाह के बाद विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि विटामिन सी सीरम किस स्किन प्रॉब्लम पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

एक्ने की समस्या

अगर आपकी स्किन पर एक्ने हो रहा है, तो ऐसे में विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। क्योंकि इसमें हाइलूरोनिक एसिड ज्यादा होता है। जो एक्ने की समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए फेस पर इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। वरना एक्ने की समस्या बढ़ सकती है।

पिंपल्स की समस्या

अगर आपको पिंपल्स की समस्या है, तो आपको विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे स्किन संबंधित प्रॉब्लम ज्यादा बढ़ सकती है। क्योंकि विटामिन सी सीरम के इस्तेमाल से पोर्स ओपन हो जाते हैं। जिससे कि त्वचा पर होने वाले पिंपल्स पर प्रोडक्ट का रिएक्शन होना शुरू हो जाता है।

ड्राई स्किन

यदि आपकी स्किन ड्राई और फ्लैकी हो गई है, तो बिना एक्सपर्ट्स की सलाह के विटामिन सी सीरम अप्लाई नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी त्वचा अधिक ड्राई और फ्लैकी नजर आ सकती है।

डायबिटीज के मरीज अपनी इन आदतों पर रखें ध्यान, कंट्रोल में रहेगी शुगर

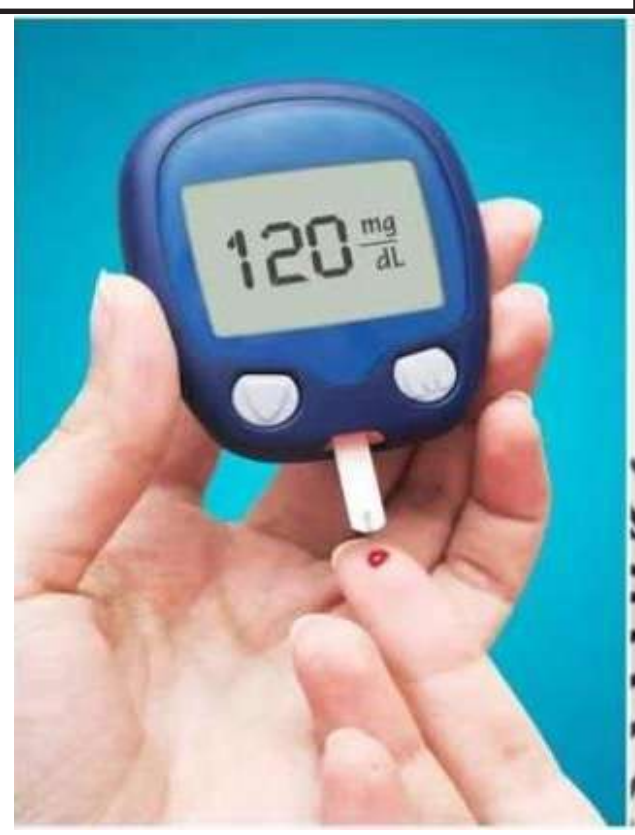

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है आज के समय में जो हर दूसरे व्यक्ति या बच्चे में देखने को मिल रही है। डायबिटीज को अगर कंट्रोल में न रखा जाये तो ये आपके लिए काफी हानिकारक साबित हो सकती है। इसकी वजह और बीमारियां होने का भी डर रहता है। लेकिन ब्लड शुगर के मरीज अपने ध्यान नहीं देते जिसकी वजह से उन्हें मुसीबत हो सकती है। ऐसे में दवाइयां खाने बीमारी कंट्रोल में नहीं रहेगी बल्कि कच और भी आदते हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए, जैसे की–

रेगुलर एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज करना भी डायबिटीज मैनेज करने का अच्छा तरीका है। एक्सरसाइज करते समय मसल्स शुगर का प्रयोग एनर्जी के लिए करती हैं। जिससे ब्लड शुगर लेवल लो होता है। एक्सरसाइज करने का एक शेड्यूल बनाना जरूरी है। एक्सरसाइज से पहले ब्लड शुगर लेवल टेस्ट करें। खुद को हाइड्रेटेड जरूर रखें।

सुबह नाश्ता करने की आदत डालें

अगर आप सुबह का नाश्ता स्किप करते हैं।तो ये ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का एक कारण हो सकता है। शुगर का स्तर कंट्रोल में रखने के लिए सुबह हेल्दी नाश्ता करें। नाश्ते में होल ग्रेन फूड्स, फाइबर,छाछ आदि को शामिल कर सकते हैं।

दवाइयां

इन्सुलिन और अन्य डायबिटीज से जुड़ी दवाइयों का सेवन करना डायबिटीज के लिए काफी जरूरी है। अगर कोई समस्या देखने को मिलती है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसे कंट्रोल में रखने के लिए पूरी तरह से दवाओं पर निर्भर न रहें। कई मरीज मनचाहा खाते हैं और लाइफस्टाइल में भी किसी तरह का बदलाव ये सोचकर नहीं करते कि दवाएं तो खा ही रहे हैं लेकिन ये सही नहीं।

तनाव को करें लाइफ से बाहर

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो तनाव कम करें। इसके लिए आप अच्छा म्यूजिक सुनें। मेडिटेशन की मदद लें और हेल्दी डाइट लें। इसके अलावा अपनी डाइट में फाइबर रिच फूड्स को शामिल करें। ऐसा करने से तनाव घटेगा।

समय पर भोजन की आदत डालें

समय पर खाने की आदत डालें। इससे ब्लड शुगर लेवल में उतार चढ़ाव होता है। इसके लिए आप रात को 8 बजे के बाद कुछ भी खाने से बचना चाहिए। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो लेट नाइट डिनर की आदत बिल्कुल छोड़ दें। 7 से 8 बजे का टाइम परफेक्ट होता है डिनर के लिए। डिनर और सोने के बीच कम से कम 2 से 3 घंटे का गैप होना चाहिए क्योंकि खाने के तुरंत बाद सोने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

चीनी, मैदा, प्रोसेस्ड फूड और ग्लूटन से दूरी बनाएं

डायबिटीज के मरीजों को नेचुरल शुगर का ही सेवन करना चाहिए। शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए चीनी, मैदा, ग्लूटन और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं। शुगर के मरीजों को गेहूं के बजाय रागी, बाजरा और ज्वार जैसे अनाज को खासतौर से अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

खाने की मात्रा

हेल्दी जीवन जीने के लिए हेल्दी खाना भी काफी जरूरी है। अगर व्यक्ति डायबिटीक है तो खाना कैसे ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकता है, यह जानना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। केवल क्या खा रहे हैं यह ही जरूरी नहीं बल्कि कितनी मात्रा में खा रहे हैं यह जानना काफी जरूरी है।

वॉक पर जाएं

एक्सरसाइज से इंसुलिन ज्यादा बेहतर तरीके से काम करता है। डिनर के बाद और सोने से पहले वॉक पर जरूर जाएं। इससे आपका ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा। नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, बिस्तर पर जाने से पहले एक्सरसाइज करने से नींद जल्दी और अच्छी आती है। अगर आप सोने से पहले एक्सरसाइज नहीं कर सकते हैं तो टहलने जाएं।

कॉफी बीन्स को लंबे समय तक रखना है फ्रेश तो अपनाएं ये छोटे-छोटे टिप्स

कॉफी पीना हम सभी को अच्छा लगता है। आमतौर पर, कॉफी बनाने के लिए हम सभी मार्केट में मिलने वाले कॉफी पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, अगर आप सच में कॉफी के बेहतरीन टेस्ट व महक को एक्सपीरियंस करना चाहते हैं तो कॉफी बीन्स की मदद से फ्रेश कॉफी तैयार करना सबसे अच्छा माना जाता है। यही कारण है कि अधिकतर लोग कॉफी बीन्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसे लंबे समय तक फ्रेश रखना भी बेहद जरूरी होता है। अक्सर लोग इन्हें गलत तरह से स्टोर करते हैं, जिससे आपको बाद में कॉफी का वह टेस्ट नहीं मिल पाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप लंबे समय तक कॉफी बीन्स को फ्रेश रख पाएंगे–

फ्रिज में रखने से बचें

अक्सर यह देखने में आता है कि कॉफी बीन्स को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए लोग उसे फ्रिज में रखना पसंद करते हैं। लेकिन कॉफ़ी बीन्स स्पंज की तरह होती हैं, जो अपने आस–पास की किसी भी गंध को सोख लेती हैं। ऐसे में अगर आप उसे फ्रिज में रखते हैं तो वहां पर रखी अन्य चीजों की महक उसमें समा जाती हैं और फिर कॉफ़ी का टेस्ट बिगड़ जाता है। इसलिए, कॉफी को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में फ्रिज से दूर सूखी जगह पर रखें।

कांच के जार को करें अवॉयड

आम धारणा के विपरीत आपको कॉफी बीन्स को कांच के जार में रखने से बचना चाहिए। कांच के जार पारदर्शी होते हैं और इसलिए इनमें कॉफी रखने से वे जल्दी खराब हेते हैं। इसलिए कोशिश करें कि कॉफी को स्टोर करने के लिए आप ऐसे जार का इस्तेमाल करें, जो पारदर्शी ना हों। साथ ही साथ, हवा को अंदर जाने से रोकने के लिए जार में एयरटाइट सील होनी चाहिए। हवा ऑक्सीकरण का कारण बनती है, जो स्वाद को खराब कर देती है।

सही हो स्टोरिंग तकनीक

अगर आप कॉफी बीन्स को लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो आपको उसे सही तरह से स्टोर करना आना चाहिए। बेहतर होगा कि आप उन्हें एक बड़े कंटेनर के बजाय छोटे बैचों में स्टोर करें। एक बार जब कॉफी का बैग खोला जाता है, तो बीन्स अपना स्वाद और महक खोना शुरू कर देती हैं। इसलिए, बीन्स को कई छोटे और एयरटाइट कंटेनर में स्टोर किया जाना चाहिए।

बच्चों में दिख रहे ये लक्षण तो हो जाएं सतर्क, हो सकता है ल्यूकेमिया का संकेत

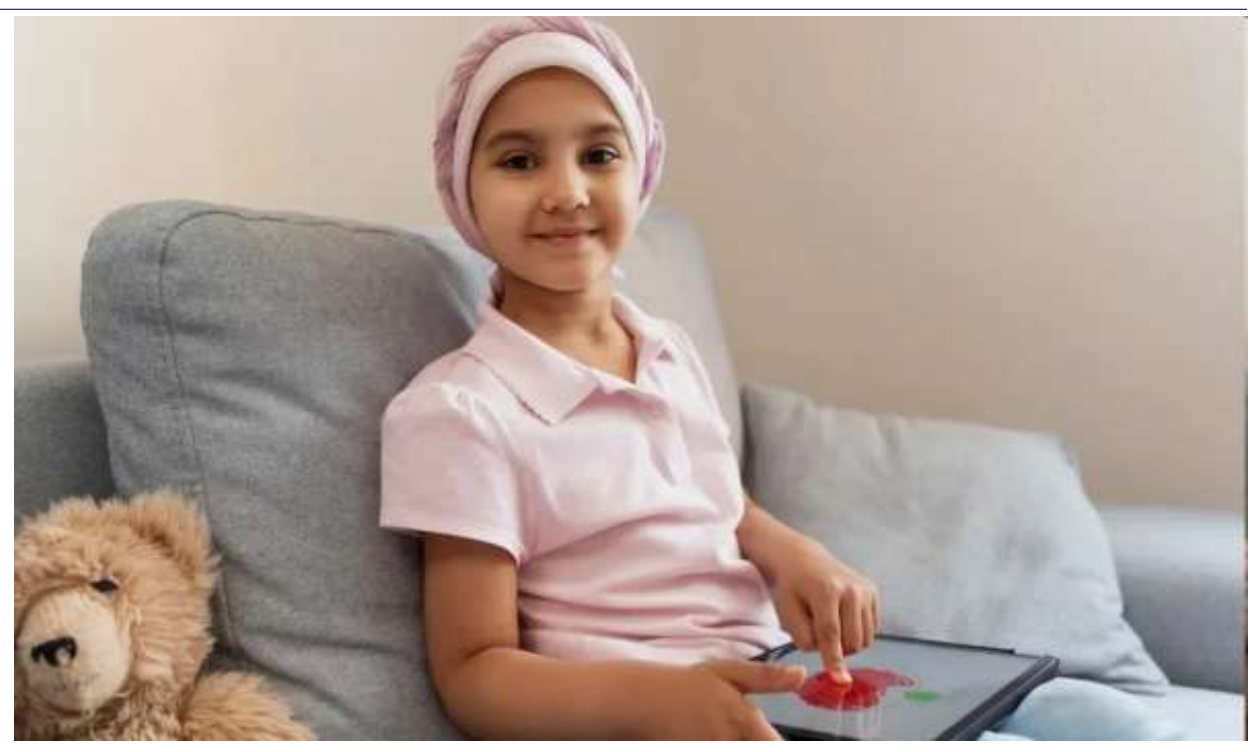

आजकल बच्चों में कई बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। वहीं बच्चों में कैंसर के मामले भी अधिक देखने को मिल रहे हैं। भारत में हाल ही में राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम की एक रिपोर्ट के मुताबिक 0 से 14 साल तक के बच्चों में कैंसर का 4 फीसदी खतरा होता है। कैंसर से पीड़ित बच्चे ग्लोबली चाइल्ड डेथ का पांचवा मुख्य कारण है। वहीं 15 साल से कम उम्र के बच्चों में ल्यूकेमिया यानी की ब्लड कैंसर का अधिक खतरा होता है। यह ब्लड सेल्स असर डालता है। हांलाकि इसके लक्षण बच्चों में जल्दी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ मामलों में इसके लक्षण काफी समय बाद दिखाई देते हैं।

यदि समय रहते इन लक्षणों को पहचान लिया जाए, तो बच्चों की जान बचाना काफी हद तक संभव हो जाता है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में ल्यूकेमिया के शुरूआती लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चों में ल्यूकेमिया के लक्षण

बच्चों में ल्यूकेमिया के लक्षणों को पहचान पाना काफी मुश्किल होता है। क्योंकि कई बार इसके लक्षण अन्य सामान्य बीमारियों जैसे बुखार की तरह लगते हैं।

यदि आपका बच्चा थका हुआ या सुस्त रहता है, पूरी नींद होने के बाद भी आलस बना रहता है। तो यह ब्लड कैंसर का लक्षण हो सकता है।

इसके अलावा मसूड़ों से नाक से खून आना या स्किन पर लाल रंग के छोटे–छोटे स्पॉट होना भी ल्यूकेमिया का एक लक्षण है।

ल्यूकेमिया के कारण पीठ या हड्डियों में तेज दर्द हो सकता है।

बगल या गले पर गांठ होना, त्वचा के अंदर लिम्फ नोड्स महसूस होना आदि ल्यूकेमिया का संकेत हो सकता है। वहीं इनमें दर्द नहीं होता है अगर यह खुद से नहीं घुलती है।

बेचैनी, सूजन या पेट दर्द भी इसकी निशानी हो सकती है। इसके अलावा लिवर या शरीर के अन्य किसी अंग में सूजन भी महसूस हो सकती है।

यदि बच्चे को भूख कम लग रही है या उसका तेजी से वेट कम हो रहा है, तो यह भी कैंसर का लक्षण हो सकता है।

लगातार या बार–बार आने वाला फीवर भी कैंसर की तरफ इशारा करता है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

संक्षिप्त

आपूर्ति संकट से बढ़ेगी महंगाई, अनिश्चित वैश्विक माहौल में ऊर्जा सुरक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब एशिया–प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। अगर यह संकट लंबा चलता है तो 2026–27 के दौरान क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में 1.3 फीसदी अंक तक गिरावट आ सकती है, जबकि महंगाई 3.2 फीसदी बढ़ सकती है। कहा जा रहा कि संघर्ष का असर मुख्य रूप से महंगे ऊर्जा शुल्क, आपूर्ति शृंखला में बाधा, व्यापार में रुकावट और वित्तीय परिस्थितियों के सख्त होने के रूप में सामने आ रहा है। रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया के देशों का पश्चिम से सीधा व्यापार भले कम हो, लेकिन वे ऊर्जा आयात और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर निर्भर होने के कारण ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। रेटिंग एजेंसियों ने खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य का जिक्र किया है, जहां से दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस की सप्लाई गुजरती है। इसका बड़ा हिस्सा एशिया तक पहुंचता है। मौजूदा तनाव के कारण यहां शिपिंग प्रभावित हुई है, जिससे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया और कुछ समय के लिए यह 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इसके अलावा, वित्तीय बाजारों में भी तनाव दिखा। शेयर बाजार गिरे हैं और बॉन्ड यील्ड बढ़ी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कीमतों को पूरी तरह नियंत्रित करने के बजाय उन्हें आंशिक रूप से बढ़ने दिया जाए, ताकि ऊर्जा स्रोतों की बचत हो और वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा मिले। केंद्रीय बैंक महंगाई पर नजर रखें और बाजार में ज्यादा उतार–चढ़ाव को रोकें। रेटिंग एजेंसी इक्रा का कहना है, अगर संघर्ष जल्दी खत्म हो जाता है तो इसका असर सीमित रह सकता है। अगर हालात लंबे समय ऐसे ही तक बने रहते हैं तो यह क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। एशियाई विकास बैंक ने सरकारों को सलाह दी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखें, ऊर्जा की खपत को नियंत्रित करें और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर तेजी से काम करें। साथ ही, सब्सिडी और कीमत नियंत्रण के बजाय जरूरतमंद वर्गों के लिए सीमित समय के समर्थन उपाय अपनाने पर जोर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने चेतावनी दी है कि शिपिंग में रुकावट से लागत बढ़ेगी, उत्पादन में देरी होगी और आपूर्ति शृंखला पर दबाव बढ़ेगा। उसने कहा, खाड़ी देशों पर निर्भर राष्ट्रों को झटका लग सकता है, क्योंकि वहां आर्थिक गतिविधियां कमजोर होने से प्रवासी कामगारों की आय घट सकती है। इससे रेमिटेंस (विदेश से आने वाला पैसा) कम हो सकता है। एडीबी का मानना है कि अगर संघर्ष जल्दी खत्म हो जाता है तो असर सीमित रहेगा। लंबा संघर्ष ग्रोथ और महंगाई असर डालेगा। दक्षिण–पूर्व एशिया और प्रशान्त देशों की ग्रोथ पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, जबकि भारत सहित दक्षिण एशियामें महंगाई सबसे ज्यादा बढ़ सकती है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा कि लंबा संकट देशों के लिए मुश्किल स्थिति पैदा कर सकता है, जहां उन्हें कम ग्रोथ और ज्यादा महंगाई के बीच संतुलन बनाना होगा। वेस्ट एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव के चलते बढ़ती तेल और गैस की कीमतें भारत की अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। ऊर्जा की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026–27 में सरकार के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर दबाव डाल सकती हैं। सरकार को उर्वरक और एलपीजी जैसी सब्सिडी पर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

रिपोर्ट में डरावनी चेतावनी, पश्चिम एशिया संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजार एक बड़े भू–राजनीतिक बदलाव को नजरअंदाज कर रहे हैं। सिस्टमैटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात केवल तात्कालिक उतार–चढ़ाव नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव का संकेत हैं, जो आगे चलकर बार–बार उभर सकते हैं और लंबी अवधि तक अनिश्चितता बनाए रख सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बाजार फिलहाल हर युद्ध से जुड़ी खबर पर उम्मीद और डर के बीच झूल रहे हैं, लेकिन इसके पीछे एक गहरा बदलाव चल रहा है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में बदलती नीतियां और ईरान की प्रतिक्रिया मिलकर ऐसी स्थिति बना रही हैं, जहां निवेशकों के लिए लंबी अवधि के जोखिमों का आकलन करना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट ने इसे वैश्विक भू–राजनीतिक ढांचे में एक बड़े मेटामॉर्फोसिस के रूप में बताया है, जिसमें अमेरिका और चीन के नेतृत्व वाले ग्लोबल साउथ के बीच शक्ति संतुलन बदल रहा है। इससे आने वाले समय में इस तरह के तनाव और टकराव बार–बार देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक मोर्चे पर रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस संकट का सीधा असर ऊर्जा बाजार पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास या उससे ऊपर पहुंच चुकी है, जो न सिर्फ सप्लाई से जुड़े जोखिम बल्कि बढ़ते जियोपॉलिटिकल प्रीमियम को भी दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर तनाव कम भी होता है, तब भी कच्चे तेल और गैस की सप्लाई में बाधाएं बनी रह सकती हैं, जिससे कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। इसके साथ ही वैश्विक कर्ज भी चिंता का बड़ा कारण बनता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के दौरान वैश्विक कर्ज करीब 29 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 348 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिससे सरकारों की आर्थिक प्रोत्साहन देने की क्षमता सीमित हो सकती है। भारत को लेकर रिपोर्ट में विशेष रूप से चेतावनी दी गई है कि ऊंचे कच्चे तेल के दाम और कमजोर मांग मिलकर स्टैगफ्लेशन की स्थिति पैदा कर सकते हैं। इससे हाल के आर्थिक सुधारों पर असर पड़ सकता है और घरेलू अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

बांग्लादेश की अक्ल आई ठिकाने! आईपीएल मुकाबलों का करेगा प्रसारण, मुस्तफिजुर विवाद के बाद लगाया था बैन

ढाका,एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत शनिवार से होने जा रही है, जिससे पहले बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में इस लीग के प्रसारण के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सीजन के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। डॉयचे वेले के मुताबिक, जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। हम इसे एक व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे। अगर कोई चौनल आईपीएल के प्रसारण के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने शक्रिकबजश को बताया था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाए जाने के बाद इसके संबंध ा में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। जब स्वपन से पूछा गया कि क्या स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है, तो स्वपन ने ऐसा होने के संकेत देते हुए कहा, श्हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चौनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम इसे सकारात्मक रूप से लेंगे, लेकिन हम किसी पर कोई जोर–जबरदस्ती नहीं करेंगे।श बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स

एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है। आईपीएल 2026 का पहला मैच 28 मार्च को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच खेला जाएगा। इसके अगले दिन मुंबई इंडियंस (एमआई) की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कुछ दिनों पहले इस सीजन के दूसरे फेज का शेड्यूल जारी किया है। लीग चरण के मुकाबले 24 मई तक खेले जाने हैं। प्लेऑफ मुकाबलों का शेड्यूल कुछ दिनों में जारी किए जाने की उम्मीद है।

केकेआर और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए 35 आईपीएल मुकाबले, जानिए किस टीम का पलड़ा रहा है भारी ?

मुंबई,एजेंसी। पांच बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस रविवार को

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के साथ आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दोनों टीमों के बीच अब तक 35 मैच खेले गए हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई इंडियंस ने इस टीम के विरुद्ध 24 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि केकेआर सिर्फ 11 ही मैच जीत सकी है। मुंबई इंडियंस ने केकेआर के खिलाफ साल 2008 और 2009 में खेले गए सभी चार मैच अपने नाम किए थे। इसके बाद साल 2010 में मुंबई इंडियंस को दो में से एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। साल 2011 में दोनों ही मुकाबले मुंबई इंडियंस ने जीते। साल 2012 में मुंबई इंडियंस को एक हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मुकाबले में जीत दर्ज की। साल 2013 में मुंबई इंडियंस ने दोनों मुकाबलों को अपने नाम किया। साल 2014 और 2015 में दोनों टीमें चार मुकाबलों में आमने–सामने रहीं, जिसमें केकेआर ने तीन मैच अपने नाम किए। साल 2016 से 2018 के बीच मुंबई इंडियंस ने सभी सात मैच जीते। साल 2019 उसे केकेआर के खिलाफ दो में से एक मुकाबला गंवाना पड़ा। साल 2020 में इस टीम ने दोनों मैच अपने नाम किए। साल 2021 में दोनों टीमों के बीच 1–1 से बराबरी रहीं। पिछले चार सीजन को देखें, तो दोनों टीमों ने कुल छह मैच खेले, जिसमें चार मुकाबले केकेआर के नाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल खिताब अपने नाम किए हैं। इस टीम ने साल 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 का सीजन जीता था। वहीं, केकेआर तीन बार (2012, 2014 और 2024) इस ट्रॉफी को अपने नाम कर चुकी है।

दोनों टीमें–

मुंबई इंडियंस– रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रेयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिचेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डिकॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार। कोलकाता नाइट राइडसर्स अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, फिन एलेन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा।

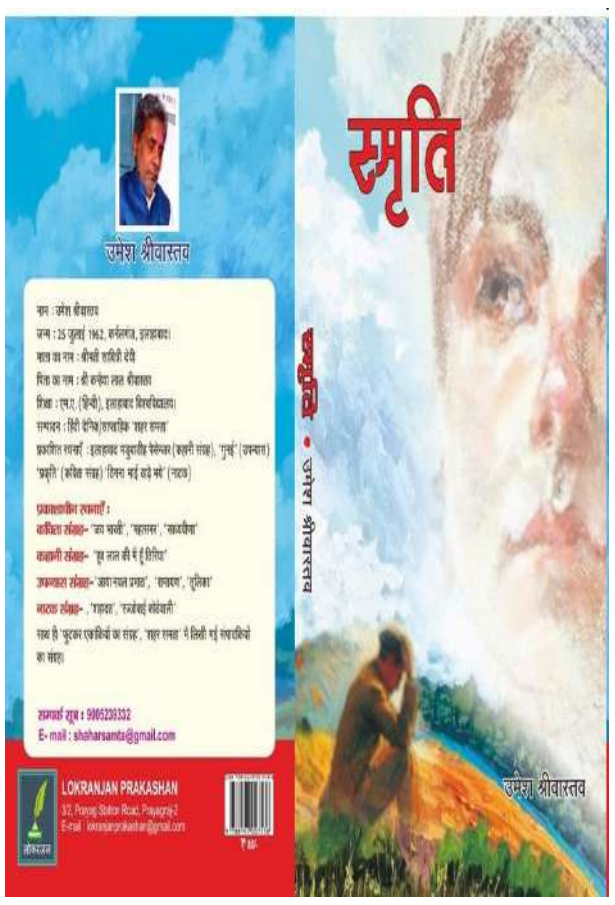

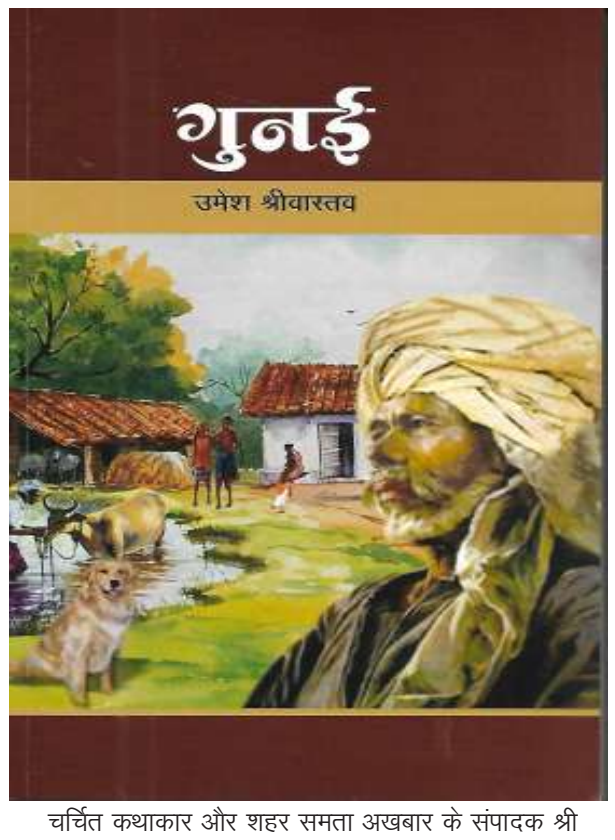

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

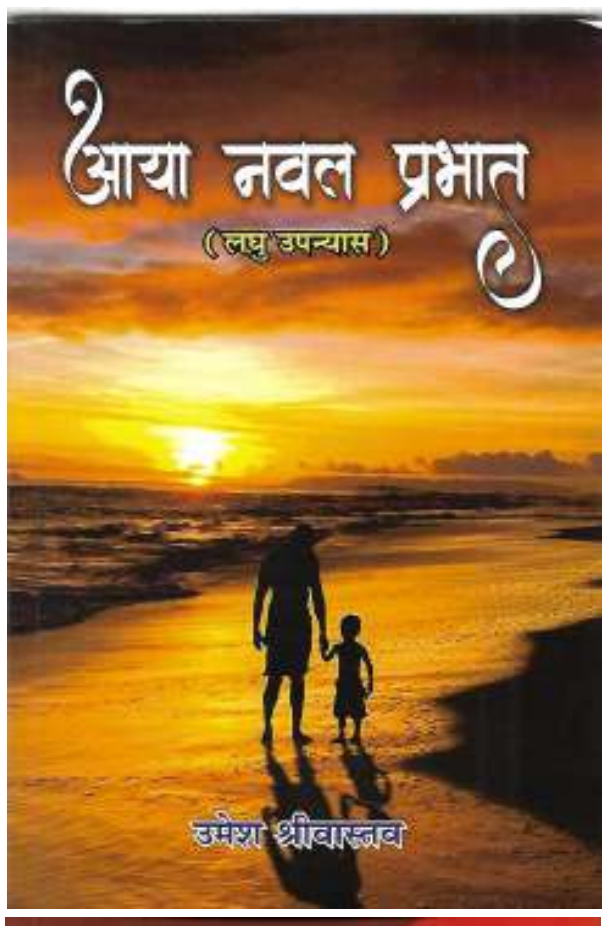

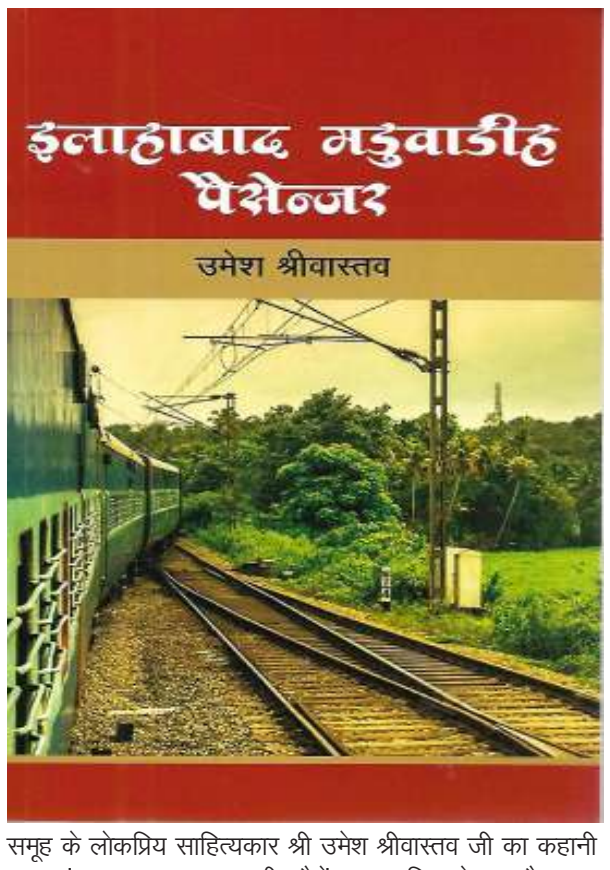

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

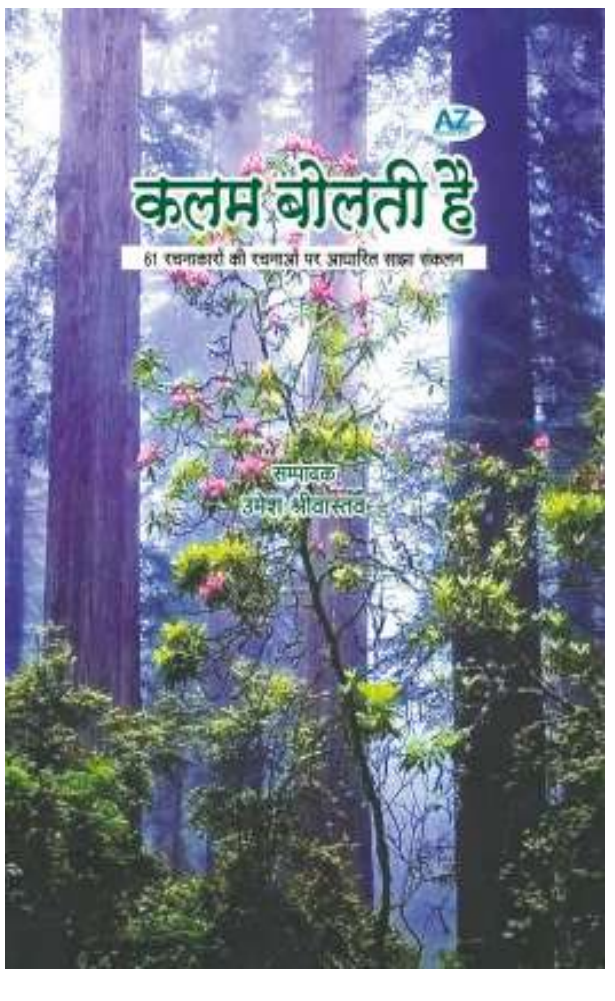

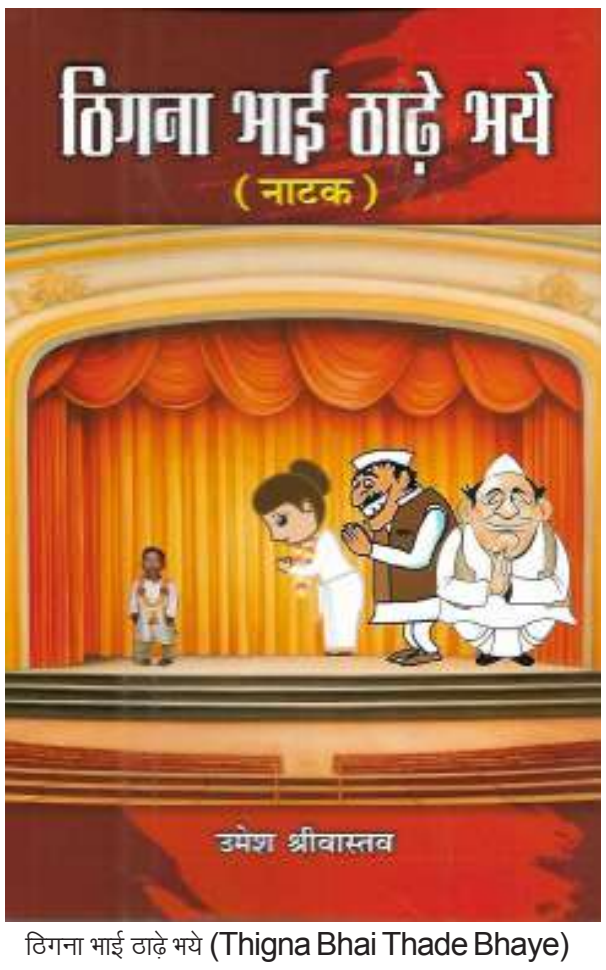

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मियामी में बोले डोनाल्ड ट्रंप, खुद को बताया अनफिल्टर्ड

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर लीक से हटकर बयान देने के लिए जाने जाते हैं। इसी तरह एक बार फिर उन्होंने अपने बयान से लोगों को हैरान किया है।

दरअसल, फ्लोरिडा के मियामी बीच स्थित फाएना होटल में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव समिट का आयोजन चल रहा था। मंच पर जब ट्रंप आए, तो उम्मीद थी कि वे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बात करेंगे, लेकिन उन्होंने अलग ही बात करनी शुरू कर दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आमतौर पर राजनेता सवालों की छंटनी करते हैं, वे डरते हैं कि उनसे क्या पूछा जाएगा? लेकिन मैं यहां आपके लिए हूं। आप मुझसे वह सब कुछ पूछ सकते हैं जो आपके मन में है। आप चाहें तो किसी भी विषय पर बात कर सकते हैं, या जो भी आपके दिल में हो। मैं पूरी तरह अनफिल्टर्ड हूं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारों का मानना है कि यह ट्रंप की एक सोची–समझी रणनीति है, जिसके जरिए वह अपने आप को ऐसे नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, जो पारंपरिक और बनावटी राजनेताओं के बीच एक असली इंसान की तरह खड़ा है। हालांकि, इस बातचीत के बाद ट्रंप ने अचानक गियर बदला। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर एक जानकारी साझा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने ईरान की कमर तोड़ दी है। हालांकि, ईरानी सेना ने दावा किया है कि उनके पास मिसाइलों का जखीरा है। जैसे ही एरिक डॉर्टी और मारियो नॉफल जैसे प्रभावशाली लोगों ने ट्रंप के वीडियो शेयर किए किए, इंटरनेट दो धड़ों में बंट गया। ट्रंप के समर्थक उनकी तारीफ कर रहे हैं, वहीं उनके आलोचकों का कहना है कि एक राष्ट्रपति के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना पद की गरिमा के खिलाफ है। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि मियामी में एक बार फिर साबित हो गया है कि डोनाल्ड ट्रंप को न तो कोई स्क्रिप्ट बांध सकती है और न ही कोई प्रोटोकॉल।

नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली गिरफ्तारी के बाद अस्पताल में भर्ती, समर्थक बोले– बदले की कार्रवाई

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल की राजनीति में ये हफ्ता ऐतिहासिक रहा। एक ओर जेन–जी आंदोलन के बा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के कुछ ही समय बाद उन्हें काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से बीमार हैं और उनका पहले कई बार किडनी ट्रांसप्लांट भी हो चुका है। इस कार्रवाई से नेपाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। पुलिस ने ओली को भक्तपुर स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया और जिला पुलिस रेंज काठमांडू लाया गया। इसके बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसी मामले में नेपाली कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी गिरफ्तार किया गया है। सरकार की ओर से यह कार्रवाई एक जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। जानकारी के मुताबिक, यह मामला पिछले साल हुए जेन–जी विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें 77 लोगों की मौत हुई थी और बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। जांच आयोग ने इसे आपराधिक लापरवाही का मामला माना और कार्रवाई की सिफारिश की थी। पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अगुवाई वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली समेत कई बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की थी। इसके बाद प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह की अगुवाई वाली कैबिनेट ने इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया। इसी के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर कार्रवाई की। ओली के करीबी और सीपीएन–यूएमएल नेता प्रदीप ज्ञावली ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। उनका कहना है कि यह उनके नेता को निशाना बनाने की साजिश है। वहीं, पार्टी मुख्यालय में इस मुद्दे को लेकर बैठक भी बुलाई गई है। रिपोर्ट में कई और अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं, जिन पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। इनमें पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। कुछ के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को चेतावनी देने की बात कही गई है।

अमेरिका–इस्राइल के हमले में ईरान के कितने बड़े चेहरे खत्म?

तेहरान,एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां हमले सीधे देश के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में ईरान के कई बड़े राजनीतिक और सैन्य नेता मारे गए हैं। इन हमलों ने सिर्फ सैन्य ताकत ही नहीं, बल्कि ईरान के पूरे सत्ता ढांचे को हिला दिया है। इससे यह साफ हो गया है कि अब रणनीति नेतृत्व को खत्म कर सिस्टम को कमजोर करने की है। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत सबसे बड़ा झटका मानी जा रही है। 28 फरवरी को उनके ठिकाने पर हुए हमले में उनकी जान गई। वह 1989 से सत्ता में थे और उन्होंने सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर ईरान को क्षेत्रीय ताकत बनाया। लेकिन उनके दौर में अमेरिका और इस्राइल के साथ टकराव भी लगातार बढ़ता रहा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

दुबई में मलबा गिरने से पांच भारतीय घायल, ईरान ने इस्राइल पर दागी मिसाइल, एक की मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिणी लेबनान के कफर तबनित इलाके में इस्राइल के हमले में एक नर्स की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह हमला सिविल डिफेंस की एंबुलेंस को निशाना बनाकर किया गया। हमले के बाद स्थानीय अधिकारियों ने इसे गंभीर घटना बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जवाबदेही तय करने की मांग की है। इस घटना को युद्ध के नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। इलाके में तनाव बना हुआ है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ओमान के दक्षिणी प्रांत की राजधानी सलालाह के बंदरगाह पर ड्रोन हमला हुआ है, जिसमें एक विदेशी कर्मचारी घायल हो गया। ओमान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, दो ड्रोन ने पोर्ट को निशाना बनाया। इस हमले में एक व्यक्ति को मध्यम चोटें आईं, जबकि बंदरगाह पर मौजूद एक क्रेन को भी मामूली नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के बाद इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी

पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इस घटना को गंभीर माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में शनिवार को मिसाइल इंटरसेप्शन के बाद गिरे मलबे से पांच लोग घायल हो गए और दो जगह आग लग गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना खलीफा इकोनॉमिक जोन्स अबू धाबी (झर्म।क) के पास हुई, जहां सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। मीडिया ऑफिस ने बताया कि बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही रोक लिया गया था, लेकिन उसके टुकड़े गिरने से नुकसान हुआ। एडी पोर्ट्स समूह के इस औद्योगिक इलाके में आग पर काबू पाने के लिए फायर टीमें तैनात की गईं। स्थिति अब नियंत्रण में बताई जा रही है।

ईरान ने थाईलैंड के तेल जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने बताया कि तेहरान के साथ समझौते के बाद यह फैसला हुआ है, जिससे देश की ऊर्जा सप्लाई को लेकर चिंता कम होगी। थाईलैंड अपनी तेल जरूरतों के लिए मिडिल ईस्ट पर काफी निर्भर है। इससे पहले इसी महीने एक थाई जहाज पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसमें ओमान की नौसेना ने चालक दल को बचाया था, जबकि तीन सदस्य अब भी लापता हैं। बहरीन में अचानक सायरन बजने से लोगों में हड़कंप मच गया। गृह मंत्रालय ने तुरंत नागरिकों और निवासियों को शांत रहने और नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। सरकार ने कहा है कि सभी लोग सतर्क रहें और आधिकारिक निर्देशों का पालन करें। हालांकि, सायरन बजने की वजह को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त बयान जारी कर अलर्ट की पुष्टि की, लेकिन कारण का खुलासा नहीं किया। अचानक हुए इस अलर्ट से पूरे देश में चिंता का माहौल बन गया है।

अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने पुष्टि की है कि उसके प्रमुख काश पटेल का निजी ईमेल हैक हो गया है। यह दावा ईरान से जुड़े हैकर ग्रुप 'हंदाला हैक टीम' ने किया था। एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं और किसी सरकारी डेटा से छेड़छाड़ नहीं हुई है। हैकर्स ने दर्जनों ईमेल और तस्वीरें जारी करने का दावा किया है। यह डेटा पुराना बताया गया है। साथ ही, इस ग्रुप ने हथियार कंपनी मार्टिन के मध्य–पूर्व स्थित कर्मचारियों की निजी जानकारी लीक करने का भी दावा किया है। ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त कार्रवाई में हमला किए जाने की खबर सामने आई है। ईरानी मीडिया एजेंसी मेहर के मुताबिक यह हमला शनिवार तड़के किया गया, हालांकि अब तक नुकसान या हताहतों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और इस्राइल पिछले करीब एक महीने से ईरान के अलग–अलग ठिकानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तेहरान में कई जगहों पर विस्फोटों की आवाजें भी सुनी गईं और हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं।

इस्राइल के मध्य हिस्से पर शुक्रवार देर रात ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह दिनभर में ईरान का छठा हमला था। मिसाइल में क्लस्टर बम वारहेड था।

इससे कई छोटे बम बड़े इलाके में फैल गए। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत तब हुई जब वह बम शेल्टर में नहीं था। वहीं, एक रिहायशी इमारत पर गिरे सबम्यूनिशन से दो लोग घायल हुए। फायर सर्विस ने छह जगहों पर असर की पुष्टि की। दक्षिणी इस्राइल के कुसैफा इलाके में भी मिसाइल के टुकड़ों से दो लोग घायल हुए। सऊदी अरब में स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। हमले में कई अमेरिकी ईंधन भरने वाले विमान भी क्षतिग्रस्त हुए। सैटेलाइट तस्वीरों में विमान को हुए नुकसान के निशान दिखाई दिए हैं।

होर्मुज से गुजर रहे भारत के दो जहाज, सुरक्षा देने के लिए युद्ध पोत के साथ भारतीय नौसेना अलर्ट

तेहरान,एजेंसी। भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद लेकर जा रहे दो और व्यापारी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन्हें सुरक्षा देने के लिए स्टैंडबाय पर तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार, आने वाले समय में ऐसे और जहाज इस मार्ग से गुजरेंगे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां सुरक्षा को लेकर लगातार सतर्कता बरती जा रही है। बता दें, अमेरिका और इस्राइल–ईरान टकराव के बीच इस

जलडमरूमध्य में लगातार तनाव बरकरार है। ईरान अमेरिका, इस्राइल समेत अपनी किसी दुश्मन देशों के जहाजों को वहां से नहीं गुजरने दे रहा है। भारत के जहाजों को नहीं रोका जा रहा है। जंग के हालातों के बीच पहले भी भारत के जहाज होर्मुज से निकल चुके हैं। इसके बावजूद सुरक्षा देने के लिए भारतीय नौसेना को युद्धपोत के साथ अलर्ट पर रखा गया है। ये जहाज उन 22 भारतीय जहाजों में शामिल थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए थे। युद्ध के चले ईरान ने होर्मुज को आंशिक रूप से बाधित कर दिया है, जिसके चलते पूरी दुनिया में तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे पहले बीते दिनों चार भारतीय जहाज भारत आ चुके हैं। जग वसंत, पाइन गैस, शिवालिक और नंदा देवी भी करीब 92 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचे थे। भारत में घरेलू और व्यवसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस की बड़ी मांग है। यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होने के बाद भारत में एलपीजी का संकट पैदा हो गया था, लेकिन सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर ईरान के साथ बातचीत कर भारतीय जहाजों का होर्मुज से सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित कराया। ईरान ने भी बयान जारी कर साफ कर दिया है कि भारतीय जहाजों को नहीं रोका जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता,एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण–पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई। इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा। 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय ₹50–50₹ है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता–पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।९ सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे–धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने अपने बजट में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध की घोषणा की है। हालांकि, केंद्र सरकार ने अभी तक पूरे देश में कोई आयु–आधारित नियम लागू नहीं किया है, लेकिन इस विषय पर बातचीत शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले महीने कहा था कि सरकार सोशल मीडिया कंपनियों के साथ आयु–आधारित प्रतिबंध पर चर्चा कर रही है। वहीं, इस साल की शुरुआत में जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 ने भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर आयु–आधारित सीमा लागू करने का सुझाव दिया।

हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यहां से हुए मिसाइल हमले, चौतरफा फंसे नेतन्याहू

तेल अवीव,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

ईरान युद्ध पर वेंस और नेतन्याहू ने की बात, सत्ता परिवर्तन के दावे पर बढ़ा टकराव

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के बीच ईरान युद्ध को लेकर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई एक फोन कॉल ने दोनों देशों की सोच में अंतर को उजागर कर दिया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई, जब युद्ध को लेकर वैश्विक दबाव बढ़ रहा है और बातचीत के जरिए समाधान की कोशिशें जारी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत के दौरान वेंस ने नेतन्याहू के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें ईरान में सत्ता परिवर्तन को आसान बताया गया था। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वेंस ने साफ तौर पर कहा कि हालात उतने आसान नहीं हैं, जितना पहले बताया गया था। इस बातचीत के बाद यह भी आरोप लगे कि इस्राइल वेंस की भूमिका को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, जबकि वे युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत में अहम भूमिका निभा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वेंस ने नेतन्याहू से सीधे पूछा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन को लेकर इतना भरोसा क्यों जताया गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि युद्ध से पहले इस्राइल ने हालात को आसान बताकर पेश किया था, जबकि वास्तविकता ज्यादा जटिल है। वेंस इस मुद्दे पर ज्यादा सतर्क और स्पष्ट नजर आए। बातचीत के बाद यह दावा भी सामने आया कि इस्राइल, वेंस की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। कहा गया कि कुछ रिपोर्ट्स जानबूझकर फैलाई गईं, जिनमें बताया गया कि ईरान वेंस के साथ समझौता करना चाहता है। एक अधिकारी ने इसे इस्राइल की रणनीति बताया, ताकि बातचीत की दिशा को प्रभावित किया जा सके।

कच्चा तेल ही नहीं एलएनजी आयात पर भी बनी सहमति, होर्मुज पर भी मिलेगा साथ

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान–अमेरिका युद्घ के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट में रूस एक बार फिर भारत का संकट मोचक बनेगा। अमेरिकी प्रतिबंध में मिली ढील का लाभ उठाते हुए भारत न सिर्फ रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाएगा, बल्कि दोनों देशों के बीच एलएनजी आपूर्ति पर भी सहमति बन गई है।

भारत की योजना अपनी ऊर्जा जरूरत का 40 फीसदी हिस्सा रूस से आयात करने की है। खास बात यह है कि द्विपक्षीय व्यापार रुपया–रूबल के माध्यम से होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बूस्टर डोज मिलेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।